संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
बुधवार
22अक्तूबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 118
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

हरियाणा पुलिस ने दी अपने अनोखे अंदाज़ में दिवाली की सौगात – मुस्कान बाँटी

पेज-8

दिवाली के बाद बिगड़ी हरियाणा-पंजाब की 'हवा'

हरियाणा के बहादुरगढ़ में सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 दर्ज किया गया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के कई हिस्सों में वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज की गई, जबकि पड़ोसी राज्य पंजाब के कुछ हिस्सों में यह 'खराब' श्रेणी में रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा के बहादुरगढ़ में सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 358 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। सुबह आठ बजे, जींद में एक्यूआई 350 दर्ज किया गया। गुरुग्राम के सेक्टर 51 और विकास सदन में निगरानी स्टेशनों ने क्रमशः 348 और 325 एक्यूआई दर्ज किया। रोहतक में एक्यूआई 343, भिवानी में 307, फरीदाबाद में 249, कैथल में 290, सोनीपत में 255, करनाल में 225, कुरुक्षेत्र में 234, पानीपत में 231 और सिरसा में 296 रहा। पंजाब में सुबह आठ बजे अमृतसर में एक्यूआई 212, जालंधर में 242 जबकि लुधियाना में 268 दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब', 401 से 450 के 'गंभीर' और 450 से अधिक 'बेहद गंभीर' माना जाता है।

मोटी-मोटी बातें

मुख्यमंत्री ने डी.आई.जी. भुल्लर को किया निलंबित; भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति दोहराई

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भ्रष्टाचार के प्रति अपनी सरकार की जीरो-टॉलरेंस नीति को दोहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आईपीएस अधिकारी हरचरण सिंह भुल्लर को निलंबित कर दिया है, जिन्हें हाल ही में भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था।

एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार-मुक्त शासन राज्य सरकार के नैतिक मूल्यों का आधार है, जो पिछले चार वर्षों में सरकार की कार्रवाइयों से स्पष्ट रूप से झलकता है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए किसी भी व्यक्ति को बख्शे बिना जीरो-टॉलरेंस नीति को बरकरार रखा है। भगवंत सिंह मान ने बताया कि इसी नीति के तहत हाल ही में एक केंद्रीय एजेंसी द्वारा भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किए गए आईपीएस अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्रवाई जनसेवा में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए पंजाब सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट गतिविधियों से जनता का विश्वास कमजोर होता है और देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न होती है। इसलिए सरकार ने इस खतरे को खत्म करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। भगवंत सिंह मान ने घोषणा की कि डिप्टी इंस्पैक्टर जनरल ऑफ पुलिस को 16 अक्टूबर 2025 से निलंबित माना जाएगा। उन्होंने दोहराया कि कोई भी अधिकारी या राजनेता, चाहे उसका पद या प्रभाव कुछ भी हो, यदि समाज-विरोधी इस गंभीर अपराध में लिप्त पाया गया तो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज की यह कार्रवाई एक बार फिर यह स्पष्ट संदेश देती है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में किसी भी दोषी को नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भ्रष्ट गतिविधियों में किसी भी प्रकार की संलिप्तता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ऐसे कार्यों में शामिल व्यक्तियों के प्रति कोई नरमी नहीं दिखाई जाएगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि 2022 में पदभार संभालने के बाद से उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ निरंतर मुहिम चलाई है, जिससे पंजाब में स्वच्छ और पारदर्शी शासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि होती है।

त्योहार बीच भी एक्शन मोड में दिल्ली पुलिस, पटाखा उल्लंघन पर 150 FIR दर्ज

नई दिल्ली– दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में पटाखे फोड़ने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का कथित तौर पर उल्लंघन करने को लेकर 100 से अधिक मामले दर्ज किए हैं, जबकि अवैध तरीके से पटाखों की बिक्री के आरोप में करीब 50 मामले दर्ज किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पटाखे फोड़ने के लिए 19 और 20 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से 7 बजे तक तथा रात 8 बजे से 10 बजे तक की अनुमति दी थी। द्वारका जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिले में निर्धारित समय-सीमा का उल्लंघन कर पटाखे फोड़ने के मामले में 24 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। इसी तरह, रोहिणी जिले में भी समयसीमा उल्लंघन को लेकर 24 और पटाखे की अवैध बिक्री को लेकर तीन प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अधिकारी ने बताया कि बाहरी उत्तर जिले में पटाखे फोड़ने की समय सीमा का उल्लंघन करने के लिए आठ मामले और पटाखों की अवैध बिक्री के लिए एक मामला दर्ज किया गया, जबकि बाहरी जिले में क्रमशः 30 मामले और 10 मामले दर्ज किए गए। अदालती आदेशों और प्रदूषण नियंत्रण उपायों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलों में सख्ती से अनुपालन अभियान चलाए गए हैं।

पुलिस ने कहा कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की गई है। बड़े पैमाने पर उल्लंघनों को रोकने के लिए संवेदनशील इलाकों और आवासीय कॉलोनियों में टीम तैनात की गई हैं। शहर सुरक्षित रहे और वायु गुणवत्ता और खराब न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए पूरे सप्ताह निगरानी जारी रहेगी।

कनाडा में जगमगाई भारतीय परंपरा, टोरंटो में 20 अक्टूबर घोषित हुआ 'दिवाली दिवस'

टोरंटो : कनाडा के टोरंटो शहर की महापौर ओलिविया चाउ ने आधिकारिक तौर पर 20 अक्टूबर, 2025 को ''दिवाली दिवस'' घोषित किया है। महापौर चाउ ने सोमवार को सिटी हॉल में एक जनसभा में बताया कि टोरंटो में दिवाली दिवस की घोषणा शहर के इतिहास में पहली बार हुई है।

सीबीसी ने चाउ के हवाले से बताया कि यह अंधकार पर प्रकाश की जीत, निराशा पर आशा की जीत और बुराई पर अच्छाई की जीत से संबंधित है। इस विभाजनकारी समय में, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि विविधता और समावेशिता ही ताकत है। टोरंटो यही कर रहा है।'

टोरंटो स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक पोस्ट में इस घोषणा को साझा करते हुए कहा कि टोरंटो शहर ने आधिकारिक तौर पर 20 अक्टूबर, 2025 को 'दिवाली दिवस' के रूप में घोषित किया है। यह सम्मान अंधकार पर प्रकाश की विजय की दिवाली की भावना का जश्न मनाता है, तथा टोरंटो के सांस्कृतिक और सामाजिक ताने-बाने में भारतीय समुदाय के अपार योगदान को मान्यता देता है।

महापौर ने आधिकारिक घोषणा में कहा कि दिवाली के दिन, हम दक्षिण एशियाई समुदाय के ऐतिहासिक और निरंतर योगदान को मान्यता देते हैं और उसका जश्न मनाते हैं, जो टोरंटो शहर के आदर्श वाक्य, 'विविधता हमारी ताकत' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उड़ान योजना 3.23 लाख उड़ानों के ज़रिए 1.56 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को सेवा प्रदान करती है: सरकार

नई दिल्ली– नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना ने नौ वर्षों में 3.23 लाख उड़ान उड़ानों के ज़रिए 1.56 करोड़ से ज़्यादा यात्रियों को सुविधा प्रदान की है।

इस योजना के तहत, 649 मार्गों का संचालन शुरू किया गया है, जो 93 अप्रयुक्त और कम उपयोग वाले हवाई अड्डों को जोड़ते हैं, जिनमें 15 हेलीपोर्ट और 2 जल हवाई अड्डे शामिल हैं।

इस बीच, एयरलाइन ऑपरेटरों और क्षेत्रीय बुनियादी ढाँचे का समर्थन करने के लिए, सरकार ने व्यवहार्यता अंतर निधि (वीजीएफ) के रूप में 4,300 करोड़ रुपये से अधिक वितरित किए हैं और क्षेत्रीय संपर्क योजनाओं (आरसीएस) के तहत हवाई अड्डे के विकास में 4,638 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

मंत्रालय क्षेत्रीय संपर्क योजना की 9वीं वर्षगांठ मना रहा है।

इस अवसर पर नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन नीति के तहत 21 अक्टूबर, 2016 को शुरू की गई उड़ान एक परिवर्तनकारी पहल रही है जिसका उद्देश्य आम नागरिक के लिए हवाई यात्रा को किफ़ायती और सुलभ बनाना है।

रिकॉर्ड तोड़ दिवाली बिक्री भारत की आर्थिक मजबूती को दर्शाती है

नई दिल्ली– व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) ने कहा कि दिवाली पर वस्तुओं की 5.40 लाख करोड़ रुपये और सेवाओं की 65 हजार करोड़ रुपये की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री भारत की आर्थिक मजबूती और स्वदेशी भावना को दर्शाती है। CAIT ने अपनी शोध शाखा, CAIT रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा राज्यों की राजधानियों और टियर 2 व 3 शहरों सहित 60 प्रमुख वितरण केंद्रों पर किए गए एक व्यापक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण पर आधारित 'दिवाली त्योहार बिक्री 2025 पर शोध रिपोर्ट' जारी की है। अध्ययन के अनुसार, इस वर्ष दिवाली पर कुल बिक्री रिकॉर्ड 6.05 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जिसमें 5.40 लाख करोड़ रुपये वस्तुओं की और 65,000 करोड़ रुपये सेवाओं की थी, जो भारत के व्यापार इतिहास में अब तक का सबसे अधिक त्यौहारी कारोबार है। दिल्ली के चांदनी चौक से सांसद और सीएआईटी के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने और स्वदेशी अपनाने के एक 'मजबूत ब्रांड एंबेसडर' के रूप में उभरे हैं, जो व्यापारिक समुदाय और उपभोक्ताओं दोनों को समान रूप से प्रेरित कर रहे हैं। खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी दिवाली' के आह्वान ने जनता को गहराई से प्रभावित किया - 87 प्रतिशत उपभोक्ताओं ने आयातित उत्पादों की तुलना में भारतीय निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता दी, जिसके परिणामस्वरूप चीनी वस्तुओं की मांग में भारी गिरावट आई। व्यापारियों ने पिछले साल की तुलना में भारतीय निर्मित उत्पादों की बिक्री में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। खंडेलवाल ने कहा कि दिवाली 2025 के व्यापार के आंकड़े पिछले साल की 4.25 लाख करोड़ रुपये की बिक्री की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं। मुख्य खुदरा व्यापार - विशेष रूप से गैर-कॉर्पोरेट और पारंपरिक बाजारों - ने कुल व्यापार में 85 प्रतिशत का योगदान दिया, जो भारत के भौतिक बाजारों और छोटे व्यापारियों की जोरदार वापसी को दर्शाता है।

CAIT के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा कि त्योहारी सीजन के दौरान, क्षेत्रवार बिक्री वितरण के अनुसार, किराना और FMCG 12 प्रतिशत के साथ सबसे आगे हैं, इसके बाद सोना और आभूषण 10 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल्स 8 प्रतिशत, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और रेडीमेड वस्त्र 7 प्रतिशत, और उपहार वस्तुओं में भी 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

दिवाली के बाद दिल्ली में एक्यूआई का स्तर पिछले पाँच वर्षों में सबसे अधिक रहा : एक अध्ययन

नयी दिल्ली– केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के 'क्लाइमेट ट्रेंड्स 'के आंकड़ों के अनुसार दिवाली के बाद दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में तेजी से गिरावट आयी और सूक्ष्म प्रदूषक कणों (पीएम 2.5) का स्तर पिछले पांच वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

शोध और सलाहकार समूह 'क्लाइमेट ट्रेंड्स' ने सीपीसीबी के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर बताया कि दिवाली के बाद के 24 घंटों में पीएम 2.5 की औसत सांद्रता 488 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गई, जो त्योहार से पहले के स्तर 156.6 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से तीन गुना से भी अधिक है।

भारत ने काबुल में तकनीकी मिशन का तत्काल प्रभाव से दूतावास का दर्जा बहाल किया

नयी दिल्ली – भारत ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को राजनीतिक मान्यता देते हुए काबुल स्थित अपने तकनीकी मिशन को तत्काल प्रभाव से दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की है।

विदेश मंत्रालय ने मंगलवार रात को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की पिछले सप्ताह की भारत यात्रा के दौरान लिए गए निर्णय के अनुरूप सरकार तत्काल प्रभाव से काबुल स्थित भारतीय तकनीकी मिशन का दूतावास का दर्जा बहाल कर रही है।

यह निर्णय पारस्परिक हित के सभी क्षेत्रों में अफगानिस्तान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के भारत के संकल्प को रेखांकित करता है।

संभावित आतंकी हमला टला; अमृतसर में आर.पी.जी. और लांचर सहित दो गिरफ्तार

खेप भेजने वाले पाकिस्तानी आई. एस. आई. गुर्गे के संपर्क में थे गिरफ़्तार किये दोषी: डी. जी. पी. गौरव यादव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)।मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के अभियान के दौरान, खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से एक आतंकी मॉड्यूल के दो गुर्गों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आर.पी.जी.) सहित लांचर बरामद किया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) गौरव यादव ने आज दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान महकदीप सिंह उर्फ महक, निवासी वडाली (अमृतसर) और आदित्य उर्फ अधी, निवासी गांव भागा छीना, अमृतसर के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने आर.पी.जी. बरामद करने के अलावा उनका मोटरसाइकिल, जिस पर वे सवार थे, भी जब्त किया है।

डी.जी.पी. गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी पाकिस्तान के आई.एस.आई. के एक गुर्गे के संपर्क में थे, जिसने सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से यह खेप भेजी थी, और हरप्रीत सिंह उर्फ विक्की, जो इस समय फिरोजपुर जेल में बंद है, के भी संपर्क में थे। उन्होंने कहा, ''यह आर.पी.जी. एक योजनाबद्ध आतंकी हमले के लिए इस्तेमाल किया जाना था।''

डीजीपी ने कहा कि अगले-पिछले सम्बन्ध स्थापित करने के लिए और जांच की जा रही है जिससे पूरे नैटवर्क का पता लगाया जा सके। ऑपरेशन से संबंधित विवरण साझा करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एस.एस.पी.) अमृतसर ग्रामीण मनिंदर सिंह ने बताया कि पुख्ता सूचना मिली थी कि दोनों संदिग्ध व्यक्ति - महकदीप और आदित्य - ने हरप्रीत उर्फ विक्की के निर्देशों पर आर.पी.जी.-22 नेटो एंटी-टैंक रॉकेट लांचर की खेप प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि इस पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस टीमों ने दोनों संदिग्धों को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे खेप पहुंचाने जा रहे थे। एस.एस.पी. ने बताया कि उन व्यक्तियों की पहचान के लिए जांच जारी है, जिन्हें यह खेप डिलीवर की जानी थी। उन्होंने कहा कि आगे पूछताछ के लिए आरोपी हरप्रीत उर्फ विक्की को भी फिरोजपुर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाया जाएगा।

इस संबंध में अमृतसर ग्रामीण के थाना घरिंडा में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 3, 4 और 5 तथा भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस.) की धारा 113 के तहत एफआईआर नंबर 331, दिनांक 21/10/2025 को केस दर्ज किया गया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गूगल से सद्गुरु की छवि का दुरुपयोग करने वाली सामग्री हटाने को कहा

नई दिल्ली– दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को गूगल को आदेश दिया कि वह अपने तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके यूट्यूब पर मौजूद नकली और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से छेड़छाड़ की गई सामग्री की पहचान करे और उसे हटाए, जिसमें आध्यात्मिक गुरु और ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सद्गुरु जगदीश वासुदेव की छवि, वीडियो और व्यक्तित्व का दुरुपयोग किया गया है।

न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की एकल पीठ ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सद्गुरु की पहचान के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग के खिलाफ सद्गुरु और ईशा फाउंडेशन द्वारा दायर चल रहे मुकदमे में एक अंतरिम आदेश पारित किया।

सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 के अनुरूप, न्यायमूर्ति अरोड़ा ने गूगल को यूट्यूब पर प्रसारित हो रहे धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जिसमें सद्गुरु की गिरफ्तारी का एक मनगढ़ंत वीडियो भी शामिल है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने गूगल से ईशा फाउंडेशन के साथ मिलकर बातचीत करने को कहा ताकि ऐसी सामग्री की पुनरावृत्ति रोकने के लिए एक तंत्र तैयार किया जा सके, ताकि ईशा फाउंडेशन को उल्लंघन के प्रत्येक मामले को बार-बार चिह्नित न करना पड़े।

न्यायमूर्ति अरोड़ा ने 2021 के आईटी नियमों के नियम 4(4) का हवाला देते हुए कहा, 'यदि प्रतिवादी संख्या 45 (गूगल) के पास इस निर्देश पर कोई तकनीकी सीमाएँ या आपत्तियाँ हैं, तो वह निर्देश प्राप्त कर सकता है और इस संबंध में एक हलफनामा दायर कर सकता है।' यह नियम मध्यस्थों को समान या मिलती-जुलती सामग्री का सक्रिय रूप से पता लगाने और उसे हटाने के लिए उपकरण और तकनीक का उपयोग करने का निर्देश देता है, जिससे वादी को बार-बार सामग्री हटाने का अनुरोध करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है।

डीजीपी हरियाणा ने 'पुलिस शहीद स्मारक' पर पुष्प चक्र अर्पित कर पुलिस के अमर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओ पी सिंह तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने आज पंचकूला की पुलिस लाइन में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर 'पुलिस शहीद स्मारक' पर पुष्प चक्र अर्पित कर भारतीय पुलिस बल के देशभर के 191 अमर शहीदों के बलिदानों को याद करके उन्हें श्रद्धांजलि दी।

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री ओ. पी. सिंह ने शहीदों और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी किसी पुलिसकर्मी की मृत्यु होती है, तो उसके परिवार पर मानो मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ता है। एक क्षण में जीवन की दिशा बदल जाती है। परिवार का संतुलन बिगड़ जाता है, आर्थिक और भावनात्मक दोनों मोर्चों पर कठिनाई आती है। ऐसे कठिन समय में हमारा पहला दायित्व होता है कि वह उस परिवार के साथ मजबूती से खड़ी रहे। इसी भावना के तहत हरियाणा पुलिस द्वारा शहीदों के आश्रितों को सरकारी नौकरी देने और एक करोड़ रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया गया है, ताकि परिवार की आजीविका सम्मानपूर्वक चलती रहे और कोई बच्चा शिक्षा या अच्छे भविष्य से वंचित न हो।

डीजीपी ने कहा कि शहादत को बहुत बड़ा माना जाता है। उन्होंने कहा कि हमें अपनी कल्पनाशीलता और संवेदनशीलता के माध्यम से ऐसी सभ्यता का निर्माण करना है जहाँ "शेर और बकरी एक ही घाट पर पानी पिएँ" अर्थात शक्ति और शांति का संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि जैसे शेर को अपनी ताकत पर गर्व होना स्वाभाविक है, वैसे ही बकरी को अपनी असहायता पर अफसोस नहीं होना चाहिए। समाज में कुछ अपराधी तत्व ऐसे हैं जिनकी प्रवृत्ति भेड़िए या लोमड़ी जैसी होती है - हिंसा और स्वार्थ से प्रेरित। ऐसे लोगों के प्रति हमें दृढ़ और निर्णायक रुख अपनाना होगा।

डीजीपी सिंह ने कहा कि जो लोग हिंसा को तरक्की का जरिया मानते हैं, वे सभ्यता के शत्रु हैं। उनसे हमारी लड़ाई विचारों की नहीं, बल्कि कानून की है। हम कानून के रास्ते पर चलने वाले लोग हैं, और हमारी नीति बिल्कुल साफ है "जैसे को तैसा।" यदि अपराधी गोली चलाएगा तो पुलिस पीछे नहीं हटेगी; न्याय और सुरक्षा के लिए हर संभव कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस उन योद्धाओं का सम्मान करती है जो पीठ दिखाने के बजाय जंग के मैदान में डटकर लड़ते हैं और बलिदान देते हैं। यही वे सच्चे सपूत हैं जो अपनी शहादत से व्यवस्था को जीवंत रखते हैं।

अपने संबोधन के अंत में श्री ओ. पी. सिंह ने कहा कि हरियाणा पुलिस अपने शहीद साथियों के परिवारों की पीड़ा को गहराई से समझती है। उन वीर माताओं को नमन है जिन्होंने देश के लिए प्राण देने वाले सपूतों को जन्म दिया। हम सब मिलकर हरियाणा को और अधिक मजबूत, सुरक्षित और संवेदनशील बनाएंगे ताकि हरियाणा और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

क्यों मनाया जाता है पुलिस स्मृति दिवस

गौरतलब है कि 21 अक्तूबर 1959 को भारत-तिब्बत सीमा पर लद्दाख के क्षेत्र में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के दस जवान सीमा पर गश्त करते समय चीनी सैनिकों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले का शिकार हुए थे। तभी से 21 अक्तूबर को पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाने की परम्परा आरम्भ हुई थी।

ये रहे उपस्थितः -कार्यक्रम में डी जी पी मोड्रेनिजेशन एंड लिटिगेशन अजय सिंघल, एडीजीपी सौरभ सिंह, पूर्व डी जी पी बी एस संधू सहित कई अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने श्री गुरू तेग बहादुर के शहीदी दिवस समारोह की समीक्षा की

शिमला । मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि श्री गुरू तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर शिमला में आयोजित होने वाले समारोह के लिए समुचित प्रबन्ध किए जाएं। यह समारोह 1 व 2 नवम्बर, 2025 को रिज और पदमदेव परिसर शिमला में आयोजित किया जाएगा। गुरूद्वारा श्री गुरू सिंह सभा और शिमला जिला प्रशासन के साथ आज यहां एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस समारोह में शामिल होने वाले लोगों के लिए परिवहन व ठहरने की की सुविधा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने नगर निगम शिमला को निर्देश दिए कि स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और आयोजन स्थल पर निर्बाध बिजली आपूर्ति के प्रबन्ध सुनिश्चित किए जाएं। बैठक में विधायक हरीश जनारथा, महापौर शिमला नगर निगम सुरेन्द्र चौहान, सचिव सामान्य प्रशासन राजेश शर्मा, उपायुक्त अनुपम कश्यप, पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी, निदेशक भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग रीमा कश्यप, सिंह सभा शिमला के अध्यक्ष जसविन्द्र सिंह और प्रदेश के सभी गुरूद्वारों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना से प्रेरित होकर बनाई शाहपुर वेलफेयर सोसाइटी : केवल सिंह पठानिया

गरीब परिवारों की आर्थिक मदद कर मनाई दिवाली — बोले 'नर सेवा ही नारायण सेवा'

शाहपुर, 21 अक्तूबर। शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने कहा कि उनका जीवन जनता की सेवा को समर्पित है। मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना से प्रेरित होकर उन्होंने गरीब और जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए ÷शाहपुर वेलफेयर सोसाइटी÷ का गठन किया है। इस सोसाइटी के माध्यम से अब तक वे लाखों रुपये की आर्थिक सहायता देकर सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों की मदद कर चुके हैं।

रैत के वन विभाग विश्राम गृह में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विधायक पठानिया ने दिवाली के अवसर पर विभिन्न जरूरतमंद परिवारों को सहायता राशि के रूप में चेक भेंट किए।

इस दौरान उन्होंने इच्छा देवी (रैत) को 50 हजार, प्रीतो देवी ,गुजरेड़ा(मनेई) को इलाज हेतु 50 हजार,स्वर्ण देवी (पलवाला) को 50 हजार,वीना देवी (दुर्गेला) को 21 हजार तथा रोटरी क्लब शाहपुर को गरीब परिवार का

घर निर्माण हेतु ?21,000 का चेक प्रदान किया।

सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने विधायक पठानिया का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे ऐसे जनप्रतिनिधि हैं जो वास्तव में जनता के दुख-दर्द को समझते हैं और हर समय सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं।

इस अवसर पर लोगों की समस्याएँ भी सुनीं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया तथा शेष मामलों को शीघ्र कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को भेजा गया।

कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव प्रदीप बलौरिया, महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं जिप सदस्य नीना ठाकुर, एचआरटीसी बीओडी निदेशक विवेक, सलाहकार विनय, राजेश राणा,विजय कुमार, रीना पठानिया, इकबाल मिन्टा,पिंटू परमार, एडवोकेट भूपिंदर पठानिया , सरिता सैनी ,निर्मल सिंह, शशी शर्मा,अक्षय, पप्पू,सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने बालिका आश्रम और नारी सेवा सदन में मिठाई और उपहार बांटे

शमिला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज शिमला के समीप बालिका आश्रम का दौरा कर वहां रह रहे बच्चों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने आश्रम की बालिकाओं को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं और उनके सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री ने बालिकाओं को मिठाई और उपहार भी वितरित किए।

श्री सुक्खू ने इस मौके पर कहा कि प्रदेश सरकार ने अनाथ बच्चों कर शिक्षा और देखभाल के लिए मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना शुरू की है। इसके अंतर्गत 27 वर्ष की आयु पूरा होने तक इन बच्चों की पढ़ाई समेत अन्य सभी खर्चों को एक अभिभावक के रूप में सरकार पूरा कर रही है। ये बच्चे हमारे समाज का हिस्सा हैं और प्रदेश के संसाधनों पर उनका पूरा अधिकार है इसलिए उनके लिए यह योजना लाका सरकार ने कोई एहसान नही किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 12वीं कक्षा की पढ़ाई पूरा होने के बाद भी सरकार इन बच्चों की उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा का पूरा खर्च उठाएगी। उनकी फीस के साथ-साथ हॉस्टल व वस्त्रों का खर्च सरकार वहन करेगी तथा उन्हें 4 हजार रुपये हर माह भत्ते के रूप में भी प्रदान किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार हर संभव कोशिश कर रही है कि अपने माता-पिता को खोने वाले ये बच्चे आत्मनिर्भर बन सकें और आत्मसम्मान के साथ अपना जीवन व्यतीत करें।

श्री सुक्खू ने कहा कि आश्रम की बालिकाओं को देश भ्रमण का अवसर भी प्रदान किया जा रहा है। 16 बालिकाओं को कुछ समय पूर्व भ्रमण पर भेजा गया था और अब अन्य बालिकाओं को भेजा जाएगा ताकि भ्रमण के साथ-साथ उनके ज्ञान और आत्मविश्वास की वृद्धि हो सके।

उन्होंने कहा कि इन बच्चों के विवाह के लिए राज्य सरकार ने दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया है। इसके अलावा, जिनके पास अपनी जमीन है लेकिन मकान नहीं है, उन्हें भी तीन लाख रुपये की मदद देने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में इन बच्चों को और सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। आश्रम की बालिकाओं ने इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं।

मुख्यमंत्री ने बाद में मशोबरा स्थित नारी सेवा सदन भी गए और वहां रह रहीं महिलाओं को मिठाइयां व उपहार बांटे तथा दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं।

नगर निगम शिमला के महापौर सुरेंद्र चौहान, मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान, महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक पंकज ललित और उपायुक्त अनुपम कश्यप भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

बाबू राम गौतम के निधन पर विधान सभा अध्यक्ष ने गहरा दुःख प्रकट किया

शिमला– हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने बिलासपुर सदर के पूर्व विधायक बाबू राम गौतम के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। पूर्व विधायक बाबू राम गौतम पिछले लम्बे समय से बिमार चल रहे थे। विधान सभा अध्यक्ष ने अपने शोक संदेश में कहा कि बाबू राम गौतम काँग्रेस के कद्दावर नेता थे। वह काँगेस सेवादल के प्रदेश मुख्य संगठक और राजीव गांधी पंचायती राज बिलासपुर के अध्यक्ष भी रहे। वह वर्ष 1985 में पहली वार बिलासपुर निर्वाचन क्षेत्र से विधान सभा सदस्य चुने गए थे। इससे पूर्व वह एच0 आर0 टी0 सी0 के उपाध्यक्ष भी रहे। बाबू राम गौतम का व्यक्तित्व मिलनसार था वह लोगों के बीच काफी लोकप्रिय थे। उनकी यह खासियत थी कि वे राजनीति, प्रशासन और समाज सेवा को हमेशा संतुलित रखते थे। पठानियां ने कहा कि प्रदेश ने बाबू राम गौतम के रूप में एक होनहार तथा कर्तव्य निष्ठ नेता खोया है जिसकी भरपाई करना नामुमकिन है। पठानियां ने दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है। विधान सभा उपाध्यक्ष विनय कुमार ने भी बाबू राम गौतम के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है तथा दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है।

कोटला-बड़ोग नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केन्द्र में उपलब्ध करवाई जाएंगी अत्याधुनिक सुविधाएं: मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सिरमौर जिला के कोटला-बड़ोग में आधुनिक नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र के निर्माण को लेकर आज यहां सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस

केन्द्र में कुल 100 बिस्तरों की क्षमता होगी तथा पुस्तकालय, व्यायामशाला, खेल गतिविधियों, योग साधना और कौशल एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण की सुविधा भी होगी। इसके अलावा चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए चिकित्सकों और नर्सों एवं अन्य स्टाफ की तैनाती भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए राज्य सरकार ने 534.36 लाख रूपये स्वीकृत किए हैं और अगर आवश्यकता हुई तो अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध करवाई जाएगी। बैठक में उपायुक्त सोलन और सिरमौर वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने उन्हें निर्देश दिए कि इस केन्द्र की स्थापना के लिए पशु पालन विभाग की भूमि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को स्थानान्तरित की जाए। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, अतिरिक्त मुख्य सचिव श्याम भगत नेगी, प्रधान सचिव विधि राजीव बाली, निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग सुमित किमटा और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

केंद्र और राज्य के नियम अलग, आरएसएस के कार्यक्रम में नहीं जाएंगे कर्मचारी; खरगे की दो-टूक

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीच मामता लंबा खिंचता नजर आ रहा है। सोमवार को राज्य के आईटी बीटी मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा कि राज्य सरकार के कर्मचारी अपने सेवा आचरण नियमों के अनुसार आरएसएस की गतिविधियों का हिस्सा नहीं बन सकते। अगर कोई इसका उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खरगे से जब कलबुर्गी के सेदम तालुक में संघ के पथ संचलन में शामिल हुए चिकित्सा अधिकारी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने साफ शब्दों में जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि इस मामले में अधिकारी जांच करेंगे। अगर किसी ने इस तरह की भागीदारी की है और उसके सबूत सामने हैं, तो सरकार जरूर कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा,हम ऐसी सुनी-सुनाई बातों पर नहीं, बल्कि सबूतों के आधार पर कार्रवाई करेंगे।

केंद्रीय नियमों से अलग हैं, राज्य के नियमः खरगे

इकॉनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक खरगे ने कहा कि भारत सरकार के कर्मचारियों के लिए सेवा आचरण नियम राज्य के कर्मचारियों से अलग हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी है कि केंद्रीय कर्मचारी आरएसएस की गतिविधियों का हिस्सा बन सकते हैं। लेकिन राज्य के नियम इससे भिन्न हैं। इसलिए राज्य के कर्मचारी इसमें हिस्सा नहीं ले सकते।

गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार ने पिछले कुछ दिनों से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। इसमें मंत्री प्रियंक खरगे फ्रंट फुट पर खेल रहे हैं। सरकार ने अपनी बात पर अमल लाते हुए आरएसएस के कार्यक्रम में शामिल होने वाले एक पंचायत विकाकस अधिकारी को निलंबित कर दिया है। भारतीय जानता पार्टी ने इस कदम कि निंदा की है, साथ ही पेशे से वकील भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने अधिकारी का पक्ष अदालत में भी रखने की पेशकश की है।

आपको बता दें फिलहाल इस बात पर विवाद है कि सेदम के तालुम में राजस्व अधिकारियों ने आरएसएस को पथसंचलन की अनुमति नहीं थी। हालांकि इसके बाद भी स्वयंसेवकों ने शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में सफलता पूर्वक पथ संचलन किया। जब पुलिस ने इसे रोकने की कोशिश की, तो आरएसएस के स्वयंसेवकों ने इसका विरोध किया। इसके बाद पुलिस ने कई स्वयंसेवकों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि कुछ देर बाद ही उन्हें छोड़ दिया गया।

आरएसएस के साथ बढ़ते टसल के बीच राज्य सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पूर्वानुमति अनिवार्य कर दी है। ऐसे में यह स्वीकृति आरएसएस के कार्यक्रमों में बाधा बन रही है।

उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश में महीनेभर बाद मनाई जाएगी दीपावली, बूढ़ी दिवाली नाम

देहरादून/कुल्लू, एजेंसी। भारतभर में ही नहीं विदेशों में भी दिवाली धूमधाम से मनाई गई, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हिमालयी प्रदेशों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में दिवाली महीनेभर बाद मनाई जाएगी। स्थानीय इसे बूढ़ी दिवाली बुलाते हैं। इस दिवाली को मनाने के भी अनोखे रिवाज और परंपराएं हैं। इसमें रस्साकशी, मशाल जुलूस और अन्य पारंपरिक रिवाज शामिल हैं।

उत्तराखंड में तो दीपावली मुख्य रूप से अक्टूबर के तीसरे सप्ताह यानी 20 या 21 अक्टूबर को मनाई जा रही है, लेकिन पर्व के कुछ रीति-रिवाज और लोक-कथाएं हिमालयी क्षेत्रों में इस बूढ़ी दिवाली के पर्व को अलग महत्व देती हैं। उत्तराखंड के पहाड़ी हिस्सों में 11 दिन बाद भी दिवाली मनाई जाएगी। स्थानीय लोग इसे बग्वाल कहते हैं। उत्तराखंड के जौनसार बावर और हिमाचल के कुल्लू में दिवाली नवंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में मनाई जाती है।

नामकरण की अनोखी कहानी–बूढ़ी दिवाली नामकरण के पीछे लोगों का विश्वास यह है कि यह दिवाली पारंपरिक दिवाली के लगभग एक महीने बाद आती है, जो खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में मनाई जाती है। इसे राम-रावण के युद्ध और भगवान राम के अयोध्या आगमन से जोड़ा जाता है। ऐसी मान्यता है कि हिमालयी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को राम की जीत की खबर महीनेभर बाद मिली।

चुनाव बाद डिप्टी सीएम पद पर एलजेपी करेगी दावेदारी, चिराग पासवान ने दिया जवाब

पटना, एजेंसी। बिहार चुनाव को लेकर सियासी गतिविधियां तेज हैं। इस बीच केंद्रीय मंत्री और एलजेपी सुप्रीमो चिराग पासवान ने चुनाव से जुड़ी कई सवालों पर बेबाकी से अपनी बात रखी है। 'एक साक्षात्कार के दौरान चिराग पासवान से पूछा गया कि चुनाव बाद डिप्टी सीएम पद पर एलजेपी करेगी दावेदारी करेगी? इसपर जवाब देते हुए चिराग पासवान ने कहा कि मुझे लगता है कि यह सारे विषय ऐसे हैं जिनका समय से पहले चर्चा करने का कोई मतलब ही नहीं है। अभी सरकार पहले बन जाए। मुझे लगता है कि इन्हीं महत्वकांक्षाओं ने ही महागठबंधन का बेड़ा गर्क किया है।

अगर सहनी जिस डिप्टी सीएम बनने के लिए नहीं अड़ते तो...अरे पहले सरकार में तो आ जाओ। हमलोग एक-एक कर के अपना काम करेंगे। पहले बड़ी जीत तो मिल जाए। उसके बाद देखेंगे किस दल का कैसा प्रदर्शन रहता है उसके आधार पर किस दल की क्या भूमिका होगी, यह तय किया जाएगा।

बिहार चुनाव में एनडीए की जीत को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे चिराग

पासवान ने इस इंटरव्यू में कहा कि हमारी मेहनत ने पिछले चुनावों में असर दिखाया था और इस बार एकजुटता से यह असर निर्णायक साबित होगा। चिराग पासवान ने पिछले चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब राष्ट्रीय जनता दल को घमंड हो गया था कि वो सबसे बड़ी पार्टी है तो वो कौन सी सीट जीती, जहां जनता दल यूनाइटेड हारी। इसलिए आप उसे हारा हुआ सीट बोल रहे हैं। चिराग पासवान ने कहा कि चुनाव परिणाम में महज 20-25 दिन का समय बचा है। 14 तारीख को परिणाम आएंगे। मैं किसी सर्वे में विश्वास नहीं करता। सर्वे में तो मुझे बहुत ही कम बार अच्छा दिखाया। लोकसभा चुनाव में तो मुझे सिर्फ 2 सीटें जीतते हुए ही दिखाया था। मैंने हमेशा अपनी मेहनत पर विश्वास किया है। मैं मानता हूं कि कुछ सीटों पर हमें जरुर ज्यादा मेहनत करने की जरुरत होगी।

लोग अब ऐसा है कि लोगों का माइंडसेट बदल रहा है। लोग सोच रहे हैं कि अब ऐसे ही विधायक को चुन कर भेजना होगा जो केंद्र सरकार का हिस्सा हो। महागठबंधन में जिस तरीके से बिखराव है तो उसे लेकर किसी के मन में शंका नहीं है कि किसकी सरकार बनेगी। महागठबंधन जो सीटों की संख्या तक नहीं बांट पाया वो सरकार चलाएंगे। ऐसे में हम एनडीए के उम्मीदवार को जीता कर ही भेजें ताकि वो राज्य सरकार और केंद्र सरकार से मिलकर हमारे प्रदेश का विकास कर सके। चिराग पासवान ने कहा कि पिछली बार एनडीए बंटा हुआ था और इस बार महागठबंधन बंटा हुआ है। पिछली बार मैंने अकेले चुनाव लड़ा था और अब तो कांग्रेस कई सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है तो राजद भी कई जगहों अकेले चुनाव लड़ रही है। तो ऐसा नहीं है कि जिन 10-12 सीटों पर वो चुनाव लड़ रहे हैं उसका कोई असर पड़ेगा।

तेलंगाना में विस चुनाव लड़ने के लिए उम्र कम करने का प्रस्ताव

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। इसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान में संशोधन करने की मांग की जाएगी। उन्होंने न्यूनतम आयु में बदलाव के अपने प्रस्ताव को समय की मांग बताया और इस बात पर जोर दिया कि युवाओं को देश की सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

मुख्यमंत्री यहां 'राजीव गांधी सद्भावना यात्रा' स्मृति दिवस में भाग लेने और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार प्रदान करने के बाद बोल रहे थे। रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मतदान करने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे देश में संसदीय लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने में मदद मिली।

रेड्डी ने कहा कि 21 वर्षीय आईएएस और आईपीएस अधिकारी जिलों में सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं और उन्होंने जानना चाहा कि 21 वर्ष की आयु में कोई विधायक क्यों नहीं बन सकता? रेड्डी ने कहा कि आने वाले दिनों में तेलंगाना

विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान संशोधन की मांग की जाएगी। युवाओं को देश चलाने का अवसर दिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में मतों को बांटने के लिए भाजपा की 'बी' टीम है। उन्होंने आरोप लगाया,बीआरएस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ एक गुप्त समझौता किया। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 21 प्रतिशत मतों का अंतरण राज्य में बीआरएस पार्टी की साजिश की राजनीति को साबित करने के लिए पर्याप्त है।

भोजन और उपहार वितरण में देरी के बाद 10 महिलाएं बीमार

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में सोमवार को मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के एक कार्यक्रम में संदिग्ध 'हाइपोग्लाइसीमिया' और निर्जलीकरण के कारण 10 महिलाएं कथित तौर पर बीमार पड़ गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पुत्तूर शहर में स्थानीय विधायक अशोक कुमार राय द्वारा 'अशोक जन मन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। उसके मुताबिक यह घटना कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित हजारों लोगों को भोजन और उपहार वितरित करने में कथित देरी के बाद हुई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि भीड़ और उमस भरे मौसम के कारण महिलाओं को 'हाइपोग्लाइसीमिया' (रक्त शर्करा के स्तर में गिरावट) और निर्जलीकरण की आशंका थी।

मंदिर के अंदर मूर्ति से सोने के आभूषण की चोरी, मचा भारी हंगामा; संदिग्ध हुआ गिरफ्तार

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में मंदिर के अंदर मूर्ति से सोने के आभूषण चोरी कर लिए गए। इस आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उधमपुर के गढ़ी गांव निवासी शक्ति कुमार वर्मा को अरेस्ट कर लिया गया। उसके पास से लगभग तीन लाख रुपये मूल्य के 30 ग्राम सोने के चोरी किए हुए आभूषण बरामद किए गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटरा के मुख्य बाजार स्थित मंदिर में 15 अक्टूबर को चोरी हुई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को पकड़ने के लिए जांच शुरू की थी। वहीं, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कानून से बच निकलने वालों पर शिकंजा कसते हुए बडगाम और पुलवामा जिलों से 5 भगोड़ों को गिरफ्तार किया है। नूर मोहम्मद गोजरी कुंजेर थाने में दर्ज बलात्कार के एक मामले में बारामूला में वांटेड था।

आवश्यक सूचना

ब्याठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। फोनः 0172-2569000, । email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

आदर्श पब्लिक स्मार्ट स्कूल, चंडीगढ़ में दिवाली समारोह आयोजित

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आदर्श पब्लिक स्मार्ट स्कूल (APS-20B) ने प्रकाश पर्व दिवाली बड़े उत्साह के साथ मनाई।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए मोमबत्ती, दीया और गमले सजाने जैसी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। मुख्य आकर्षण रंगोली प्रतियोगिता रही। सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सुंदर रंगोली बनाई। कक्षा 8 के छात्र प्रांजल की टीम को प्रथम घोषित किया गया।

प्रधानाचार्य श्रीमती सुनीता ठाकुर ने विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत की सराहना की। प्रधानाचार्य सुनीता ठाकुर ने उन्हें 'दिवाली' का महत्व भी बताया। इस अवसर पर वायु और ध्वनि प्रदूषण के नुकसान के बारे में सभी को जागरूक करने के लिए 'पटाखों को ना कहें' विषय पर एक रैली का भी आयोजन किया गया।

सी.आर.बी पब्लिक स्कूल सेक्टर 7-बी में दीपों का पर्व दीपावली अत्यंत उत्साह और उल्लास के साथ मनाया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सी.आर.बी पब्लिक स्कूल सेक्टर 7-बी चंडीगढ़ में दीपों का पर्व दीपावली अत्यंत उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी झालरों, रंगोलियों से सजाया गया । कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के डायरेक्टर श्री नवीन कुमार मित्तल जी, प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता मित्तल जी और किंडरगार्डन के नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा गणेश और लक्ष्मी जी की पूजा द्वारा की गई । इसके पश्चात किंडरगाटरन से लेकर कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। विद्यालय में विभिन्न प्रकार की एक्टिविटीज का भी आयोजन किया गया। जैसे -दिया डेकोरेशन, कैंडल डेकोरेशन , वॉल हैंगिंग मेकिंग, तोरण मेकिंग , रंगोली मेकिंग और डोर हैंगिंग आदि। नन्हे -मुन्ने विद्यार्थियों ने भी कार्ड मेकिंग, दिया डेकोरेशन क्ले से विभिन्न प्रकार की मिठाइयां बनाने आदि एक्टिविटीज में भाग लिया। उन्होंने विभिन्न धार्मिक धुनों पर नृत्य प्रस्तुत किया एवं लव कुश पर मनमोहक नाटक प्रस्तुत किया । इसके बाद सभी बच्चों ने "जय श्री राम' के नारे लगाये जिससे सारा स्कूल का वातावरण राममय हो गया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता मित्तल जी ने विद्यार्थियों को दीपावली के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के बारे में बताया और उन्हें पटाखों से होने वाले प्रदूषण से बचने तथा पर्यावरण अनुकूल 'हरित दीपावली' मनाने की प्रेरणा दी। विद्यालय के डायरेक्टर सर श्री नवीन कुमार मित्तल जी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, 'दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक है। हमें केवल अपने घरों को ही नहीं, बल्कि अपने मन को भी ज्ञान के प्रकाश से रोशन करना चाहिए। हमें प्रण लेना चाहिए कि इस बार हम पटाखा मुक्त और प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाएंगे। पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। अंत में विद्यार्थियों में स्वीट्स बांटी गई।

ग्लिटरट्टी - फैमिली फेस्ट 2025 में पीरमुच्छला, ढकोली में भारी भीड़ उमड़ी

मोहाली– किंडर कैसल प्ले स्कूल का भव्य दिवाली उत्सव, 'ग्लिटरट्टी - फैमिली फेस्ट', आयोजित किया गया, जो बेहद सफल रहा और ढकोली और आसपास के इलाकों से सैकड़ों परिवारों ने इसमें हिस्सा लिया। पूरा दिन का कार्यक्रम संगीत, हँसी, रचनात्मकता और उत्सव के उत्साह का एक जीवंत केंद्र बन गया, जिसने इसे इस सीज़न के सबसे यादगार सामुदायिक कार्यक्रमों में से एक बना दिया।

पीरमुच्छला में सबसे बड़ी प्रदर्शनी के रूप में प्रचारित, यह उत्सव अपनी विविध गतिविधियों और आकर्षणों के साथ उम्मीदों पर खरा उतरा। कपड़ों, किताबों और स्वादिष्ट व्यंजनों से भरपूर 40 से ज़्यादा जीवंत स्टॉलों से लेकर बच्चों के लिए एक समर्पित खेल क्षेत्र, रोमांचक प्रतियोगिताओं और एक लाइव बैंड प्रदर्शन तक, हर आयु वर्ग के लिए कुछ न कुछ था। इस दिन एक अनोखा 'उभरते व्यवसायी' कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जहाँ यूकेजी के छात्रों ने आत्मविश्वास से अपने हस्तनिर्मित उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की - यह एक ऐसी पहल थी जो मनमोहक और प्रेरणादायक दोनों थी।

इस क्षेत्र में पहली बार आयोजित डिज़्नी परेड ने लोगों को खूब आकर्षित किया, जिसमें मिकी, मिन्नी, गूफी, हल्क, स्पाइडरमैन जैसे कई लोकप्रिय किरदारों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे बच्चे प्रसन्न हुए और शाम में जादू का एक नया रंग भर गया। अन्य मुख्य आकर्षणों में 92.7 एफएम द्वारा एक विशेष रेडियो जॉकी सत्र, एक जीवंत डीजे पार्टी, वैलेट पार्किंग, 500 से अधिक गुब्बारों से गुब्बारा उड़ाना और लग्ज़री कारों का प्रदर्शन शामिल था। कार्यक्रम के बाद, किंडर कैसल प्ले स्कूल की प्रधानाचार्या जैस्मीन कौर ने कहा, 'ग्लिटरट्टी केवल दिवाली का उत्सव नहीं था, बल्कि हमारे समुदाय और बच्चों की असीम क्षमता का उत्सव था। हमें मिले प्यार और भागीदारी से हम अभिभूत हैं। परिवारों को एक साथ आते देखना, बच्चों को अपनी भूमिकाओं में चमकते देखना और पूरे माहौल को खुशी से जगमगाते देखना - यही हमारे सभी प्रयासों का सच्चा प्रतिफल था।'

66वां पुलिस स्मृति दिवस: डी.जी.पी. गौरव यादव ने बहादुर पुलिसकर्मियों को दी श्रद्धांजलि

'युद्ध नशे के विरुद्ध' के सार्थक परिणाम सामने आए, सेफ पंजाब हेल्पलाइन के जरिए जनता से 16,000 से अधिक सूचनाएं प्राप्त: डी.जी.पी.

हिन्द जनपथ

जालंधर(ब्यूरो)। देश की एकता और अखंडता के लिए आतंकवादियों और अपराधियों से लड़ते हुए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर पुलिसकर्मियों के सम्मान में मंगलवार को जालंधर स्थित पंजाब आर्म्ड पुलिस (पी.ए.पी.) मुख्यालय में 66वां राज्य स्तरीय पुलिस स्मृति दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) गौरव यादव ने श्रद्धांजलि समारोह के दौरान शहीदों को नमन किया। उन्होंने पंजाब पुलिस को एक बेमिसाल फोर्स बताया, जिसने शांति और संकट दोनों समय में अद्वितीय समर्पण के साथ देश की सेवा की। उन्होंने बताया कि सितंबर 1981 से अब तक पंजाब पुलिस ने ड्यूटी के दौरान 1,802 अधिकारियों का बलिदान दिया है, जिनमें इस साल के तीन पुलिसकर्मी भी शामिल है।

पुलिस शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए डी.जी.पी. यादव ने कहा कि इन शहीदों की वजह से ही आज हम शांतिपूर्ण जीवन जी रहे है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस की वीरता, साहस और आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने की प्रतिबद्धता की गौरवमयी विरासत है और सीमावर्ती राज्य में शांति व सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पंजाब पुलिस काम करती रहेगी।

इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में डी.जी.पी. ने राज्य सरकार की निर्णायक मुहिम ' युद्ध नशे के विरुद्ध' पर प्रकाश डालते हुए इसे एक बड़ी सफलता बताया। उन्होंने बताया कि पंजाब पुलिस ने अब तक 1,300 किलोग्राम से अधिक हेरोइन जब्त की है। इसी तरह इस मुहिम में सेफ पंजाब हेल्पलाइन के जरिए जनता से प्राप्त 16,000 से अधिक सूचनाओं का भी योगदान है। उन्होंने कहा कि इस जन समर्थित पहल के कारण बड़ी संख्या में एफ.आई.आर. दर्ज की गई है और कई ड्रग नेटवर्क को खत्म किया गया है।

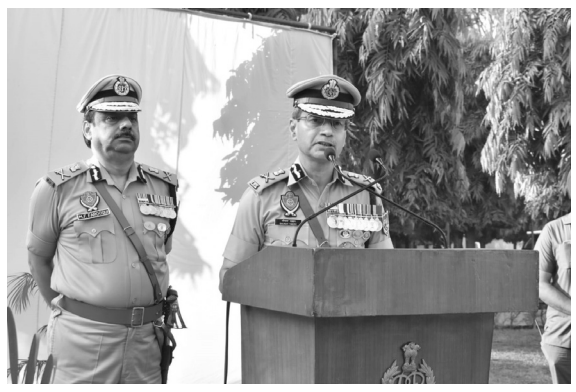

डी.जी.पी. ने यह भी बताया कि इस मुहिम के तहत पुलिस ने 64 हवाला कारोबारियों को गिरफ्तार कर और 14 करोड़ रुपये की गैर-कानूनी राशि जब्त कर नशीले पदार्थों के कारोबार से जुड़े वित्तीय चैनलों का पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान स्थित आई.एस.आई. और अन्य कट्टरपंथी तत्व पंजाब की शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जबरन वसूली की कॉल्स के मुद्दे पर डी.जी.पी. यादव ने कहा कि जांच से पता चला है कि ऐसी 80 प्रतिशत से अधिक कॉल्स स्थानीय अपराधियों द्वारा गैंगस्टर बनकर की गई थी। उन्होंने सभी पुलिस कमिश्नरों और एस.एस.पी. को निर्देश दिए कि जबरन वसूली की प्रत्येक कॉल पर एफ.आई.आर. दर्ज की जाए और इसकी गहन जांच की जाए। उन्होंने कहा, 'हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता आम नागरिक हैं।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंजाब पुलिस का उद्देश्य जनहितैषी और प्रभावी पुलिसिंग प्रदान करना है।

समारोह के बाद डी.जी.पी. यादव ने पुलिस शहीदों के परिजनों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें पंजाब सरकार व पुलिस विभाग की ओर से निरंतर सहयोग का भरोसा दिलाया।

पी.ए.पी. कैंपस के अंदर पुलिस शहीद स्मारक पर स्मारक परेड हुई, जहां कमांडेंट विवेक शील सोनी ने सभी पुलिस शहीदों के नाम पढ़े। शहीद नायकों के सम्मान में दो मिनट का मौन धारण और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा श्रद्धा के फूल अर्पित करने के साथ समारोह संपन्न हुआ।

इस अवसर पर प्रमुख व्यक्तियों में स्पेशल डी.जी.पी. पी.एस.पी.सी.एल. जितेंद्र जैन, स्पेशल डी.जी.पी. लॉ एंड ऑर्डर अरपित शुक्ला, स्पेशल डी.जी.पी. रेलवे शशि प्रभा द्विवेदी, ए.डी.जी.पी. प्रोविजनिंग नागेश्वर राव, स्पेशल डी.जी.पी. ट्रैफिक और सड़क सुरक्षा ए.एस. राय, स्पेशल डी.जी.पी. साइबर क्राइम वी नीरजा, चीफ डायरेक्टर विजिलेंस ब्यूरो-कम-स्पेशल डी.जी.पी. इंटेलिजेंस प्रवीण सिन्हा, स्पेशल डी.जी.पी. ह्यूमन राइट्स नरेश अरोड़ा, ए.डी.जी.पी. एस.ए.पी. जालंधर एम.एफ. फारूकी, डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल और पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर के अलावा पंजाब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और शहीदों के परिवार मौजूद थे।

सीआरपीएफ जवानों ने घर-परिवार से दूर रहने की पीड़ा को भुलाकर खुशी से झूमते हुए दिवाली उत्सव का आनंद लिया

चण्डीगढ़ : 13वीं वाहिनी केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में दीपावली का पर्व बड़े हर्षोल्लास और उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती कमल सिसोदिया, कमांडेंट 13वीं वाहिनी सीआरपीएफ द्वारा दीप प्रज्वलन और लक्ष्मी पूजन से हुई। इस अवसर पर अधिकारीगण, जवान तथा नागरिक समाज के गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जवानों द्वारा प्रस्तुत किया गया ऊर्जावान भांगड़ा, पंजाबी लोक गीत तथा एक जवान द्वारा प्रस्तुत तमिल नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इन प्रस्तुतियों के दौरान जवानों ने घर-परिवार से दूर रहने की पीड़ा को भुलाकर खुशी से झूमते हुए उत्सव का आनंद लिया। अपने संबोधन में कमांडेंट श्रीमती कमल सिसोदिया ने दीपावली के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ देश की आंतरिक सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि बल के जवान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और कश्मीर में आतंकवाद जैसी चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना कर राष्ट्र की रक्षा में निरंतर तत्पर हैं। साथ ही

उन्होंने समाज में सकारात्मक सोच और सद्भाव बनाए रखने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि इसी भावना से हम एक सुखी और समृद्ध समाज का निर्माण कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी अधिकारियों एवं जवानों ने मिलकर दीये जलाए और आतिशबाजी का आनंद लिया। उत्सव का समापन आपसी दीपावली शुभकामनाओं और हर्षोल्लास के वातावरण में हुआ।

पुलिस - राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा की रीढ़: एसएसपी हरमनदीप हांस

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी पुलिस के कंधों पर है। पुलिस बल का अटूट समर्पण और उत्साह देश की सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करता है, यह बात मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरमनदीप सिंह हांस, आई पी एस ने जिला प्रशासनिक परिसर, एस ए एस नगर में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस परेड के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस हर साल 21 अक्टूबर को उन बहादुर सी आर पी एफ कर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने 1959 में लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर गश्त करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। यह दिन उन सभी पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को याद करने के लिए समर्पित है जिन्होंने राष्ट्र के लिए कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है। एस एस पी ने बताया कि पिछले वर्ष भारत भर के विभिन्न पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 191 जवानों ने शहादत प्राप्त की। उन्होंने कहा, 'देश के

लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले हमारे सच्चे नायक हैं। उनकी बहादुरी और समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।'

उन्होंने आगे कहा कि पंजाब पुलिस ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी साहसी लड़ाई के लिए दुनिया भर में पहचान बनाई है। उग्रवाद के वर्षों के दौरान, पंजाब पुलिस के अधिकारियों और कर्मियों ने राज्य में शांति और सद्भाव बहाल करने के लिए सर्वोच्च बलिदान दिए। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, 'हमें उनके बलिदानों को हमेशा याद रखना चाहिए और राष्ट्र के गौरव को बढ़ाने के उनके सपनों को पूरा करने की दिशा में काम करना चाहिए।'

आतंकवाद से लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले और अब एस ए एस नगर में रह रहे पंजाब पुलिस अधिकारियों/कर्मियों के 35 परिवारों का ज़िक्र करते हुए, एस एस पी ने उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। कई परिवार के सदस्यों ने अपनी चिंताएँ साझा कीं और उन्हें ज्ञापन सौंपे, जिनका उन्होंने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए, उपायुक्त श्रीमती कोमल मित्तल ने कहा कि हर साल पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन हमें उन बहादुर कर्मियों की याद दिलाता है जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों ने हमेशा साहस के साथ देश की सेवा की है - चाहे आतंकवाद से लड़ना हो या आपात स्थितियों और महामारी का सामना करना हो। उन्होंने कहा, 'उनका बलिदान हमें राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्य की याद दिलाता है। हमें हमेशा उनकी वीरता को याद रखना चाहिए और देश की सुरक्षा में अपने तरीके से योगदान देना चाहिए।'

इस अवसर पर, उपायुक्त श्रीमती कोमल मित्तल और एस एस पी हरमनदीप सिंह हांस ने पुलिस शहीदों के सचित्र स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस से पहले शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया। स्मृति दिवस परेड की अगुवाई डी एस पी पृथ्वी सिंह चाहल ने की।

शहीदों के नाम पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) हरसिमरत सिंह छेतरा ने पढ़े।

इस अवसर पर श्री अनीश कुमार गोयल (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, मोहाली), सभी पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, थाना प्रभारी, पुलिसकर्मी और शहीदों के परिवारजन उपस्थित थे, जिन्होंने अपने प्रियजनों की स्मृति में पुष्पांजलि अर्पित की।

माता जी मुक्ति फॉउंडेशन द्वारा बापूधाम कॉलोनी में छठ पूजा का आयोजन रामलीला ग्राउंड पर किया जाएगा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। बापूधाम कॉलोनी (वार्ड नंबर 3) में माता जी मुक्ति फॉउंडेशन के बैनर तले समाजसेवियों गोपाल अत्री एवं रवि ठाकुर द्वारा छठ पूजा का भव्य आयोजन रखा गया है जो ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स के पास स्थित रामलीला ग्राउंड पर किया जाएगा। कार्यक्रम 25 से प्रारंभ होकर 28 अक्टूबर तक चलेगा जहाँ सूर्यदेव की आराधना हेतु सायंकालीन अर्घ्य तथा प्रातःकालीन अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। आयोजक समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान श्रद्धालु सूर्यदेव की आराधना हेतु सायंकालीन एवं प्रातः कालीन अर्घ्य अर्पित करेंगे। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समुचित व्यवस्था करने का आश्वासन दिया है। ग्राउंड की साफ-सफाई, जल व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

गोपाल अत्री ने बताया कि छठ पूजा लोक आस्था का महापर्व है, जो मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य का प्रतीक है। इस आयोजन के माध्यम से हम लोगों को एकता, स्वच्छता और संस्कारों का संदेश देना चाहते हैं। वहीं समाजसेवी रवि ठाकुर ने कहा कि छठ माता की कृपा से समाज में प्रेम और सद्भाव बना रहे, यही हमारी कामना है। हम चाहते हैं कि हर वर्ग का व्यक्ति इस पर्व में शामिल होकर सूर्यदेव की उपासना करे।

छठ पूजा भारत का एक प्राचीन और प्रमुख सूर्य उपासना पर्व है, जिसकी शुरुआत वैदिक काल से मानी जाती है। इस पर्व में सूर्य देव और छठी माई (उषा देवी) की पूजा की जाती है। ऐसा विश्वास है कि सूर्यदेव से प्राप्त ऊर्जा से जीवन में स्वास्थ्य, समृद्धि और सुख की प्राप्ति होती है। यह चार दिवसीय पर्व नहाय-खाय,खरना,संध्या अर्घ्य और प्रातः अर्घ्य की विधियों से संपन्न होता है। महिलाएं निर्जला व्रत रखकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करती हैं और जलाशयों में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करती हैं। बिहार, झारखंड,पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के साथ-साथ अब यह पर्व चंडीगढ़ सहित देशभर में उत्साह पूर्वक मनाया जाने लगा है।

इबादत कौर ने चण्डीगढ़ स्टेट रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए अपना टिकट पक्का किया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। स्ट्रॉबेरी फील्ड्स हाई स्कूल की 7 साल की छात्रा इबादत कौर ने चण्डीगढ़ स्टेट रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में 6 से 8 इनलाइन गर्ल्स कैटेगरी में 2 स्वर्ण पदक जीतकर ग्रुप चैंपियन बनीं और साथ ही राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया। यह प्रतियोगिता चण्डीगढ़ रोलर स्केटिंग एसोसिएशन, जो रोलर स्केटिंग फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के साथ सम्बन्ध है, द्वारा आयोजित करवाई गई। टीम विंड चेज़र्स अकादमी के संस्थापक अमोल सूद से कोचिंग ले रही इबादत कौर ने लगातार तीसरी बार यह कारनामा करते हुए खिताबों की हैट्रिक भी बनाई। चण्डीगढ़ स्टेट रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में 650 से ज़्यादा प्रतिभाशाली स्केटर्स ने भाग लिया। राष्ट्रीय चैंपियनशिप 5 दिसंबर से 25 दिसंबर तक चेन्नई में आयोजित होंगी।

पुस्तक थोड़ी सी धूप का विमोचन, साहित्य सम्मान और काव्य गोष्ठी का आयोजन

चण्डीगढ़ : अमेरिका से पधारी कवयित्री सुषमा मल्होत्रा के नव प्रकाशित काव्य संग्रह थोड़ी सी धूप का विमोचन निर्मल रोशन साहित्यिक मंच, न्यू जर्सी, अमेरिका के तत्वाधान में हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज मुख्य अतिथि थे व कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात कवि डॉ विनोद शर्मा ने की जबकि सागर सियालकोटी, डॉ नीरोतमा शर्मा, राजेंद्र प्रकाश खोसला, डॉ विकास कुमार, इंद्रजीत पाल कौर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ईरा दीप ने किया।

संयोजक डॉ वेद व्यास मल्होत्रा ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के आरंभ में सुषमा मल्होत्रा ने अपने काव्य संग्रह और मुख्य पृष्ठ की रचना के बारे में जानकारी दी और अपनी कविताओं का पाठ किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रेम विज ने कहा कि इस संग्रह में प्रकृति के साथ-साथ देश प्रेम, अध्यात्म, त्याग, प्रेम और मानवीय रिश्तों को स्पर्श करती कविताएं हैं। अध्यक्षता करते हुए डॉ. विनोद शर्मा ने कहा कि यह कविताएं जीवन की उजली किरण हैं जो अंधेरे में भी राह दिखाती है और वह कोमल ऊष्मा है जो पाठक मन को पिघलाती है। इस अवसर पर आए हुए सभी कवि गणों और विशिष्ट अतिथियों को अंग वस्त्र और निर्मल रोशन साहित्यिक मंच अमेरिका की और से ट्रॉफ़ी देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टर पूनम सपरा ने पूरी पुस्तक का विवेचन किया और उसका प्रभावशाली प्रपत्र अति सुंदर शब्दों में प्रस्तुत किया ।इस अवसर पर राजेंद्र राजन, जगविंदर जोधा, शांति जैन, विशाल खुल्लर, मोनिका कटारिया, वीरेंद्र जटवानी, वेणु सतीश कांत, डॉ. मनदीप, अर्चना अनमोल, सीमा भाटिया, छाया शर्मा, पूनम सपरा, परमदास हीर, विजय वाजिद, जगजीत काफिर, राजीव पुरी ने भी अपनी कविताएं और ग़ज़लें प्रस्तुत की।

श्री दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर 27 में भगवान महावीर स्वामी का 2552वां निर्वाण महोत्सव मनाया

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आज श्री दिगंबर जैन मंदिर, सेक्टर 27 में भगवान महावीर स्वामी का 2552वां निर्वाण महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक से हुआ।

मूलनायक भगवान महावीर स्वामी का प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा मांगी लाल जैन परिवार द्वारा तथा द्वितीय अभिषेक एवं शांतिधारा डॉ. संयोग जैन द्वारा संपन्न की गई। भगवान महावीर स्वामी की छोटी प्रतिमा का प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा धर्म बहादुर जैन परिवार द्वारा तथा द्वितीय अभिषेक एवं शांतिधारा अतुल जैन परिवार द्वारा संपन्न की गई।

शांतिधारा के उपरांत निर्वाण लड्डू अर्पित किए गए, जिनमें 24 किलो का विशाल निर्वाण लड्डू नितिन जैन द्वारा अर्पित किया गया, तथा 51 लड्डू (प्रत्येक 1 किलोग्राम) अन्य श्रद्धालुओं द्वारा भगवान महावीर स्वामी को समर्पित किए गए। इसके अलावा सैंकड़ों

श्रावकों द्वारा छोटे लड्डू अर्पित किये गए। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर की ओर से किशोरीलाल जैन, प्रदीप जैन, पंडित संदीप जैन एवं अन्य श्रद्धालुओं ने मंदिर कमेटी के अध्यक्ष धर्मबहादुर जैन के साथ मिलकर भगवान को लड्डू अर्पित किया।

धर्मबहादुर जैन ने बताया कि निर्वाण लड्डू जैन धर्म में अत्यंत पवित्र और शुभ प्रतीक माने जाते हैं। इसका संबंध भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस (दीपावली) से जुड़ा हुआ है। जब भगवान महावीर ने मोक्ष प्राप्त किया, तब सभी देवों ने आनंद और उल्लास व्यक्त करने के लिए 'निर्वाण लड्डू' अर्पित किए। तब से सभी जैन मंदिरों में निर्वाण दिवस या किसी अति शुभ धार्मिक अवसर पर निर्वाण लड्डू चढ़ाने की प्रथा चलती आ रही है। उनके मुताबिक इसके कुछ सांकेतिक अर्थ भी हैं जैसे कि लड्डू का गोल आकार आत्मा की पूर्णता और अनंतता को दर्शाता है। मिठास आत्मा की निर्मलता और आनंद का प्रतीक है। साथ ही अर्पण की भावना आत्म-त्याग और मोक्ष मार्ग की साधना का संदेश देती है। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, शांति और पवित्रता का वातावरण रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक के इस पावन अवसर पर सहभागिता की ,कार्यक्रम का संचालन श्री दिगंबर जैन सोसायटी, चंडीगढ़ के पदाधिकारियों के नेतृत्व में हुआ।

संपादकीय

खात्मे की ओर नक्सली आंदोलन

छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में दो दिनों के भीतर 258 नक्सलियों का सरेंडर बड़ी कामयाबी है। कभी जो लाल गलियारा करीब 200 जिलों तक फैला हुआ था, अब सिमटकर 11 में रह गया है। लगता है कि नक्सलवाद अब अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है।सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल अभी तक सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 312 नक्सली मारे जा चुके हैं, जबकि 836 को गिरफ्तार किया गया है। इस साल मई में जब सुरक्षाबलों ने सीपीआई (माओवादी) के जनरल सेक्रेटरी नरसिम्हा उर्फ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को मार गिराया, तो नक्सल आंदोलन के केंद्र पर वह सबसे बड़ा वार था। नक्सलियों में कई पोलित ब्यूरो के सदस्य भी थे, जिनके बाद आंदोलन नेतृत्वविहीन हो गया। चौतरफा पड़ रहे दबाव का नतीजा है कि बड़ी संख्या में नक्सली हथियार डाल रहे हैं। केवल इस साल ही अभी तक 16 सौ से ज्यादा नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। इन लोगों का मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला बताता है कि सशस्त्र आंदोलन की जिस वैचारिकी पर इन्हें यकीन था, वह टूट चुका है। नक्सल विरोधी आंदोलन इस पैमाने पर शायद सफल न हो पाता, अगर स्थानीय लोगों का समर्थन न मिलता। नक्सलियों ने दशकों तक आदिवासी इलाकों में डर के दम पर शासन किया। उन्होंने अपने मतलब के लिए स्थानीय लोगों को बाकी देश और विकास योजनाओं से दूर रखा। लेकिन, जैसे-जैसे इन क्षेत्रों में सरकारी योजनाएं पहुंचीं, नक्सलियों की पकड़ भी ढीली होती गई। हालांकि चुनौती यहीं खत्म नहीं होती। सरकार ने 2015 में एक नैशनल पॉलिसी और एक्शन प्लान को मंजूरी दी थी, जिसमें विकास कार्य और स्थानीय समुदायों के अधिकारों व हकों को सुनिश्चित करना भी शामिल था। इसके बाद नक्सल प्रभावित इलाकों के लिए कई प्रोग्राम और स्कीम्स लाए गए। हिंसा से उबरने के बाद अगला बड़ा काम होगा इन परियोजनाओं में तेजी लाना।

तेजस ने खूब तरसाने के बाद भरी दिल को दहला देनेवाली उड़ान, देख उड़ेंगे दुश्मन के होश

वरुण कुमार

एचएएल तेजस (शाब्दिक अर्थ रेडिएंट) एक भारतीय एकल इंजन, 4.5 पीढ़ी, डेल्टा विंग, मल्टीरोल लड़ाकू विमान है जिसे एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) द्वारा डिजाइन किया गया है और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और भारतीय नौसेना के लिए निर्मित किया गया है । तेजस ने 2001 में अपनी पहली उड़ान भरी और 2015 में भारतीय वायुसेना के साथ सेवा में प्रवेश किया। 2003 में, विमान को आधिकारिक तौर पर तेजस नाम दिया गया था। वर्तमान में, तेजस सुपरसोनिक लड़ाकू जेट की अपनी श्रेणी में सबसे छोटा और सबसे हल्का है। संचालित लड़ाकू विमान है ।तेजस के तीन उत्पादन संस्करण हैं - मार्क 1, मार्क 1ए और एक प्रशिक्षक/हल्का हमला संस्करण। भारतीय वायुसेना ने वर्तमान में 123 तेजस का ऑर्डर दिया है और 97 और खरीदने की योजना बना रही है। भारतीय वायुसेना ने सभी संस्करणों में कम से कम 324 विमान या तेजस के 18 स्क्वाड्रन खरीदने की योजना बनाई है, जिसमें भारी तेजस मार्क 2 भी शामिल है जिसे वर्तमान में विकसित किया जा रहा है। जुलाई 2025 तक , भारतीय वायुसेना के पास तेजस मार्क 1 के दो स्क्वाड्रन कार्यरत हैं। पहला स्क्वाड्रन, जिसका नाम नंबर 45 स्क्वाड्रन द्धस्न (फ्लाइंग डैगर्स) है, 2016 में तमिलनाडु के सुलूर वायुसेना स्टेशन (द्रस्न) में कार्यरत हुआ । यह पहला स्क्वाड्रन था जिसके मिग-21 बाइसन को तेजस से बदला गया था। तेजस नाम, जिसका संस्कृत में अर्थ चमक या प्रतिभा है, ने घरेलू और विदेशी निर्मित लड़ाकू विमानों के लिए संस्कृत भाषा में नाम चुनने की भारतीय परंपरा को जारी रखा। संचालित लड़ाकू विमान है ।तेजस के तीन उत्पादन संस्करण हैं - मार्क 1, मार्क 1ए और एक प्रशिक्षक/हल्का हमला संस्करण। भारतीय वायुसेना ने वर्तमान में 123 तेजस का ऑर्डर दिया है और 97 और खरीदने की योजना बना रही है। भारतीय वायुसेना ने सभी संस्करणों में कम से कम 324 विमान या तेजस के 18 स्क्वाड्रन खरीदने की योजना बनाई है, जिसमें भारी तेजस मार्क 2 भी शामिल है जिसे वर्तमान में विकसित किया जा रहा है। जुलाई 2025 तक , भारतीय वायुसेना के पास तेजस मार्क 1 के दो स्क्वाड्रन कार्यरत हैं। पहला स्क्वाड्रन, जिसका नाम नंबर 45 स्क्वाड्रन द्धस्न (फ्लाइंग डैगर्स) है, 2016 में तमिलनाडु के सुलूर वायुसेना स्टेशन (द्रस्न) में कार्यरत हुआ । यह पहला स्क्वाड्रन था जिसके मिग-21 बाइसन को तेजस से बदला गया था। तेजस नाम, जिसका संस्कृत में अर्थ चमक या प्रतिभा है, ने घरेलू और विदेशी निर्मित लड़ाकू विमानों के लिए संस्कृत भाषा में नाम चुनने की भारतीय परंपरा को जारी रखा। पहला नौसैनिक प्रोटोटाइप, जिसे एनपी-1 नामित किया गया, ने 27 अप्रैल 2012 को अपनी पहली उड़ान भरी। यह दो सीटों वाला विमान था, जबकि दूसरा नौसैनिक प्रोटोटाइप, जिसे एनपी-2 नामित किया गया, एक सीटर था। दोनों नौसैनिक प्रोटोटाइप का इस्तेमाल गोवा के शोर बेस्ड टेस्ट फैसिलिटी में विभिन्न विमान वाहक से संबंधित परीक्षणों के लिए बड़े पैमाने पर किया गया था। एनपी-2 का उपयोग वास्तविक वाहक परीक्षणों में किया गया था, जहां इसने जनवरी 2020 में विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य से अरेस्टेड रिकवरी और स्की-जंप असिस्टेड टेक-ऑफ किया था। एलएसपी का बड़े पैमाने पर विकासात्मक परीक्षणों जैसे हथियार परीक्षण के लिए इस्तेमाल किया गया था - जिसमें आर-73 और पायथन-5 क्लोज कॉम्बैट मिसाइलों का परीक्षण फायरिंग, आई-डर्बी ईआर दृश्य सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल और गाइडेड-अनगाइडेड म्यूनिशन रिलीज़ शामिल हैं। एलएसपी का इस्तेमाल सेंसर परीक्षणों के लिए भी किया गया था जिसमें इज़राइली एल्टा ईएल/एम-2032 मल्टी-मोड रडार, और ईएल/एम-2052 एईएसए रडार, और भारतीय उत्तम एईएसए रडार और राफेल लाइटनिंग टार्गेटिंग पॉड का एकीकरण और परीक्षण शामिल था।उत्तम रडार को तेजस एलएसपी-2 और एलएसपी-3 पर एकीकृत किया गया था, और अकेले तेजस पर लगभग 30 घंटे की उड़ान परीक्षण किया गया था। उच ऊंचाई परीक्षणऔर गर्म मौसम परीक्षण एलएसपी और पीवी-3 प्रोटोटाइप के साथ आईओसी और एफओसी कॉन्फ़िगरेशन में किए गए थे।ये परीक्षण मुख्य रूप से -10 डिग्री सेल्सियस से नीचे से लेकर +45 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान पर बोर्ड पर विभिन्न सेंसर और एवियोनिक्स के प्रदर्शन का आकलन करने पर केंद्रित थे।

नौसेना संस्करण: एडीए के अनुसार, नौसेना एलसीए (एन-एलसीए) कार्यक्रम को दो चरणों में पूरा करने की परिकल्पना की गई थी, चरण-1 के तहत दो नौसेना प्रोटोटाइप विकसित किए गए थे - दो सीटों वाला एनपी-1 और एकल सीट वाला एनपी-2 , जो तेजस मार्क 1 डिजाइन पर आधारित था, ताकि वाहक उपयुक्तता प्रमाणन और हथियार एकीकरण किया जा सके। चरण 2 के तहत, तेजस मार्क 2 डिजाइन के आधार पर दो एकल सीट वाले प्रोटोटाइप बनाने की योजना बनाई गई थी, जिसमें आगे डिजाइन अनुकूलन और जनरल इलेक्ट्रिक एफ414 आईएनएस6 इंजन का एकीकरण किया गया था। पहला नौसेना प्रोटोटाइप एनपी-1 जुलाई 2010 में शुरू किया गया था, और 27 अप्रैल 2012 को इसकी पहली उड़ान भरी गई थी । दिसंबर 2014 में, एलसीए नेवी ने आईएनएस हंसा पर एसबीटीएफ से अपना पहला स्की-जंप असिस्टेड टेक-ऑफ सफलतापूर्वक किया । नेवी वैरिएंट में एक विशिष्ट उड़ान नियंत्रण कानून मोड है जो हाथों से मुक्त टेक-ऑफ की अनुमति देता है। दिसंबर 2016 में, भारतीय नौसेना (आईएन) ने लंबी देरी और तकनीकी कारणों से कार्यक्रम से बाहर निकलने का विकल्प चुना - जैसे कि वाहक आधारित लड़ाकू अभियानों के लिए एन-एलसीए के भार अनुपात में अपर्याप्त जोर, और बहु-भूमिका वाहक लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए एक नया आरएफआई जारी किया। क्योंकि तेजस कार्यक्रम के लिए विकसित प्रौद्योगिकियों को वर्तमान में एडीए द्वारा विकसित किए जा रहे अन्य प्लेटफार्मों पर ले जाया जाएगा, इसलिए परीक्षण उड़ान जारी रखी गई। नौसेना प्रोटोटाइप एनपी -2 ने विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य से अपनी पहली गिरफ्तार लैंडिंग और स्की-जंप सहायता प्राप्त टेक-ऑफ सफलतापूर्वक किया ।

तेजस मार्क की पहली उड़ान देश की वैज्ञानिक उपलब्धि के साथ देश की रणनीतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर है। तेजस मार्क लड़ाकू विमान, तेजस लड़ाकू विमान का एडवांस वर्जन है और इसकी रफ्तार 2200 किमी से भी अधिक है। इसे ब्रह्मोस समेत विभिन्न स्वदेशी हथियारों से लैस किया जाएगा। इसमें अपग्रेडेड एवियॉनिक्स और रडार सिस्टम हैं।इसकी अन्य खासियतों पर नजर डालें तो यह हर मौसम, दिन-रात और हर तरह के ऑपरेशन में एक साथ कई लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है।

कमॉडोर मावलंकर ने बताया, छोटे जहाज़ पर लैंड करना मुश्किल होता है, सब कुछ चलता रहता है, और वह भी सिर्फ एक दिशा में नहीं, हर दिशा में... आज समुद्र शांत था, सर्दियों में अरब सागर आदर्श परिस्थितियां देता है, और झील जैसा माहौल होता है... इसे मॉनसून के दौरान बेहद चंचल रहने वाले अरब सागर के लिए तैयार किया जाना है... छोटे विमान को सुनिश्चित करना होता है कि किसी भी हिस्से पर अनावश्यक दबाव न पड़े...

पूर्व टेस्ट पायलट ने कहा, यह सुई में धागा डालने जैसा है, आपको न सिर्फ सटीक स्थान पर लैंड करना होता है, बल्कि सटीक रवैये के साथ भी, ताकि सुनिश्चित हो सके कि विमान को कोई भी हिस्सा अनावश्यक दबाव न झेले, और यह सब सटीक गति से करना होता है... यह बेहद तेज़ गति में बेहद ऊंचे पहाड़ के किनारों से बचने जैसा है... जहाज़ का पिछला हिस्सा ऊंचे पहाड़ जैसा ही दिखता है...

विमानवाहक पोत पर पायलट किस तरह लैंड करते हैं, यह समझाते हुए कमॉडोर जयदीप मावलंकर ने कहा, हम जेट विमान की गति को कैरियर के अनुसार रखने की कोशिश करते हैं, जो लगभग 130 नॉट्स या 240 किलोमीटर प्रति घंटा होती है... उन्होंने बताया, ठीक 90 मीटर की दूरी में हम गति को 240 किलोमीटर प्रति घंटा से शून्य पर लाने की कोशिश करते हैं, और ऐसा लगभग 2.5 सेकंड में किया जाता है... बहुत मुश्किल काम है... एक बार अरेस्टिंग वायर ने विमान के टेलहुक को पकड़ लिया, तो आप कहीं जा भी नहीं सकते...

फ्लाइट डेक पर उतरते हुए गति को सिर्फ 2.5 सेकंड में 240 किलोमीटर प्रति घंटा से शून्य पर ले आने में पायलटों को शारीरिक चुनौतियों का सामना भी करना पड़ता है. पूर्व टेस्ट पायलट ने कहा कि ऐसे मौके भी आए हैं, जब पायलट अपने हारनेस लॉक करना भूल गए, और उनके पैरों पर थोड़ा-सा खून आ गया. विमान आपको परे फेंकता है, और 2-3 सेकंड तक आपका आपके पैरों पर कोई नियंत्रण नहीं रहता. कमॉडोर जयदीप मावलंकर उस टीम का हिस्सा थे, जिसने तेजस विमान को भारत के दूसरे विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य पर लैंड करवाया था.

45,000-टन के आईएनएस विक्रमादित्य को 20,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था, और पिछले साल सितंबर में उसे सेना में शामिल किया गया था.

इस संस्करण में स्मार्ट युद्ध सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों के एकीकरण सहित चार प्रमुख उन्नयन शामिल होंगे । ऐसा 2022 में तेजस एमके2 की पहली उड़ान के कार्यक्रम में पहले से ही देरी के कारण हुआ था। एचएएल मिशन और कॉम्बैट सिस्टम आर एंड डी सेंटर द्वारा डिजिटल मैप जनरेटर के साथ इन-हाउस विकसित संयुक्त पूछताछकर्ता और ट्रांसपोंडर (सीआईटी) स्थापित करेगा जो पायलट डिस्प्ले पर आवश्यक मिशन मानचित्र को स्थानांतरित करने में मदद करता है, पुराने पहचान मित्र या दुश्मन प्रणाली से अपग्रेड किया गया आईएफएफ+। पायलटों को बेहतर ढंग से समायोजित करने के लिए, कॉकपिट के फर्श को भी नया रूप दिया गया है। तेजस मार्क 1ए स्वदेशी रूप से विकसित अंगद इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और डीआरडीओ एडवांस्ड सेल्फ प्रोटेक्शन जैमर पॉड का उपयोग करेगा। 19 अप्रैल 2024 को, एडीए ने तेजस एमके 1ए के सेकेंडरी फ्लाइट कंट्रोल का पहला बैच वितरित किया।

जिसमें स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए लीडिंग एज स्लैट्स और एयरब्रेक कंट्रोल मॉड्यूल शामिल हैं। इन उड़ान नियंत्रण प्रणालियों में अत्याधुनिक सर्वो-वाल्व आधारित इलेक्ट्रो-हाइड्रोलिक सर्वो एक्ट्यूएटर्स और कंट्रोल मॉड्यूल हैं। ये विकास एडीए, रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) और केंद्रीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई) के सहयोग का परिणाम था। यह तकनीक तेजस एमके 1ए के उत्पादन वेरिएंट के साथ एकीकृत होने के लिए तैयार है क्योंकि इसने उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

मील के पत्थर: 20 मई 2022 को, तेजस मार्क 1ए प्रोटोटाइप ने अपनी पहली उड़ान पूरी की। एचएएल का इरादा इस संस्करण के बड़े पैमाने पर उत्पादन में आने से पहले 30 महीनों के भीतर सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्थनेस एंड सर्टिफिकेशन (सीईएमआईएलएसी) से प्रमाण पत्र प्राप्त करना है। 28 मार्च 2024 को, पहले प्रोडक्शन सीरीज़ मार्क 1 विमान (रू5033) ने अपनी पहली उड़ान भरी जो 18 मिनट तक चली। आधिकारिक तौर पर भारतीय वायुसेना को सौंपे जाने से पहले विमान को और परीक्षणों से गुजरना होगा।

एचएएल तेजस के डिजाइन को तेजस मार्क 2 में और विकसित किया गया है, जिसमें अधिक शक्तिशाली जनरल इलेक्ट्रिक एफ414 आईएनएस6 इंजन, कैनार्ड और अन्य डिजाइन परिवर्तन शामिल हैं। तेजस मार्क 2, जिसे 2025 में पेश किए जाने की उम्मीद है, में एईएसए रडार के अलावा बढ़ी हुई पेलोड वहन क्षमता और आंतरिक ईंधन क्षमता, अधिक बाहरी हार्डपॉइंट, बेहतर लड़ाकू रेंज, पूरी तरह से नया डिज़ाइन किया गया कॉकपिट और एक एकीकृत इन्फ्रारेड सर्च एंड ट्रैक (आईआरएसटी) प्रणाली होगी। डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस टेक्नोलॉजी (डीआईएटी) तेजस मार्क 2 पर विभिन्न सेंसर को एकीकृत करने के लिए विमान स्वास्थ्य और उपयोग निगरानी प्रणाली (एचयूएमएस) विकसित कर रहा है। तेजस मार्क 2 की पहली उड़ान 2025 के अंत या 2026 की शुरुआत में होने की उम्मीद है।

हेलसिंकी से यातायात प्रबंधन सीखें हमारे महानगर

(प्रवीण कौशल)

दीपावली के दिन करीब आते ही सड़क मार्ग से दिल्ली-गुरुग्राम की दैनिक यात्रा करने वाले लाखों लोगों की चिंताएं गहराने लगी हैं। वजह? भयानक ट्रैफिक ! यूं भी हर सुबह गुरुग्राम एक धीमी गति वाले अव्यवस्थित नाटक में बदल जाता है। हॉर्न की आवाजें, धुएं के बादल और झुंझलाहट- ये सब मिलकर एक ऐसे चक्र का निर्माण करते हैं, जिसे हमने सामान्य जीवन मान लिया है। दस किलोमीटर की दूरी तय करने में दो-दो घंटे लगना, आसमान छूता मानसिक तनाव और गिरती उत्पादकता, मगर जवाबदेही किसी की नहीं।

अगर हम इसे एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के रूप में देखते, तो शायद कुछ कार्रवाई करते। रोजाना का जाम केवल असुविधा नहीं है, यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी काफी नुकसानदेह है। मगर सरकारें और समाज, दोनों ने इसे 'न्यू नॉर्मल' के रूप में स्वीकार कर लिया है, इसलिए इस संकट की अनदेखी की जाती है।

हालांकि, इस समस्या का समाधान निकालने का विज्ञान हमारे पास है, मगर हम उसका उपयोग ही नहीं कर रहे हैं! भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने हाल ही में एक गणितीय मॉडल विकसित किया है, जिससे ट्रैफिक नियंत्रण एल्गोरिदम को कुशलता से परखा जा सकता है। यह मॉडल 'टू-बिन नेटवर्क मॉडल' कहलाता है। एक सरल, पर प्रभावशाली तरीका, जिससे वाहन प्रवाह को समझा और अनुकूलित किया जा सकता है। हर गाड़ी को 'सिमुलेट' करने के बजाय यह मॉडल सड़कों को दो मुख्य दिशाओं में बांटता है और उनके बीच वाहनों के प्रवाह का विश्लेषण करता है। इससे कम कंप्यूटिंग संसाधनों में ही यह समझा जा

सकता है कि कौन सी नीति जाम को जल्दी व बेहतर तरीके से खत्म कर सकती है।

हमारे महानगरों को ऐसी डाटा-आधारित वैज्ञानिक प्रणाली की बेहद जरूरत है। हरेक नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस को देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों के साथ मिलकर शहर का सटीक ट्रैफिक मॉडल तैयार करना चाहिए। अब अनुभव के आधार पर ट्रैफिक नहीं संभाला जा सकता; इसे मापना और संचालित करना ही होगा। गुरुग्राम का उदाहरण सामने है। यहां ढांचा है, लेकिन प्रणालीगत डिजाइन नहीं है। लिहाजा आए दिन जाम की समस्या पैदा होती रहती है। समस्या यह है कि नगर निगम, जीएमडीए, एनएचएआई, हुडा और ट्रैफिक पुलिस, सभी की जिम्मेदारी एक-दूसरे से टकराती है। एक ट्रैफिक सिग्नल खराब हो जाए, तो कोई नहीं जानता कि उसे ठीक कौन करेगा? जाम की कई वजहें हैं। पहली वजह तो यही है कि हर मध्यवर्गीय व्यक्ति का सपना एसयूवी है, सार्वजनिक परिवहन नहीं। दरअसल, हमारे यहां सार्वजनिक परिवहन की हालत बेहद खराब है। फिर हमारे शहरों में बिना सुचिंतित योजना के सड़कें चौड़ी कर दी जाती हैं। उन पर सिग्नल समन्वय, जल-निकासी व फुटपाथ की अहमियत ही नहीं समझी जाती। फ्लाईओवर एक जाम हल करता है, तो दूसरा जाम 500 मीटर आगे बढ़ जाता है।

हमारे महानगर हेलसिंकी से सबक ले सकते हैं। फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी ने साल 2024 में शून्य सड़क दुर्घटना मृत्यु का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। ऐसा किसी संयोग से नहीं हुआ, बल्कि यह सुनियोजित सुधारों का परिणाम था। नगर प्रशासन ने वहां गति सीमा में कमी की। आधे से अधिक इलाकों में गति सीमा 30 किलोमीटर प्रति घंटा तय की गई, जिससे दुर्घटनाओं की तीव्रता और संख्या, दोनों घट गई। ऊंचे-ऊंचे क्रॉसवॉक, सुरक्षित चौराहों और बेहतर प्रकाश व्यवस्था ने पैदल यात्रियों व साइकिल सवारों की रक्षा की। सार्वजनिक परिवहन, साइकिल लेन और पैदल चलने की सुविधाओं में भारी निवेश किया गया। इससे निजी कारों पर निर्भरता घटी। सख्त ट्रैफिक पुलिसिंग से एक सुरक्षित ड्राइविंग संस्कृति बनी।

जाम की समस्या से जूझने वाले हमारे तमाम शहरों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित सिग्नल सिस्टम परीक्षण के लिए आईआईटी, बॉम्बे का 'टू-बिन मॉडल' इस्तेमाल किया जा सकता है। लेन अनुशासन और नो-पार्किंग जोन का पालन सख्ती से हो। जब तक इस तरह के कदम नहीं उठाए जाएंगे, ट्रैफिक समस्या सिरदर्द बनी रहेगी।

(लेखक तकनीक और सामाजिक उद्यमी है) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वर्ग पहेली 5889

1	2		3	■	4		■
5		■	6	7		■	8
	■	9				10	
11	12		■		■	13	
14		■	15		■		■
16		17	■	18	19		■
■	20		21	■		■	■
22		■	23			■	24

संकेतः बाएं से दाएं

1. दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश की जल सेना में करीब 45 प्रतिशत डाल्फिन है जो समुद्र के अंदर तैराकों का पता लगाती है (4)
4. पीड़ा, शोक, दुख (2)
5. आग की लपट, ज्वाला, अंगारा (5)
6. ग्रीष्म अनुभूति, उष्णता, घाम (3)
9. सनातन धर्म का अनुयायी, पुराणपंथी, पुरातनपंथी (5)
11. कुंअर, अविवाहित पुरूष (3)
13. मुझे (मुझे)(4)
14. सुस्वाद व्यंजन (2)
15. वाराणसी का यह प्राचीन नाम है (2)
16. प्रवाह, बहाव, तीक्ष्णता (3)
18. रिश्तें में कुछ होना, अनुभूति होना (3)
20. भेड़ या बकरी का बच्चा (2)
22. जो बोल न सकता हो, गूंगा (2)
23. बसंतकाल, यह वैजयंती माला की डेब्यू फिल्म थी नायक थे करण दीवान (3)
24. वस्तु की उपस्थिति का दर्शाता एक वचन रूप (1)

ऊपर से नीचे

1. पुरानी फिल्मों के दिवंगत सितारे जिनका मूल नाम कुमुदकुमार गांगुली था (6)
2. उत्सव (2)
3. तकली से सूत निकालना (3)
4. चेहरा, मुखड़ा, मुंह (3)
7. अवनति शील, अवरोही, प्रपतित (5)
8. लज्जावान, शर्माऊ, संकोची (3)
9. महाशय, जनाब, श्रीमान (2)
10. अनिष्ट करने की चेतावनी देना (4)
12. भारी बोझा ढोने वाला, मालवाही, गुड्स कॅरियर (5)
17. इस वृक्ष की छाल औषधि बनाने में प्रयुक्त की जाती है (2)
19. उपद्रव, बलवा, दंगा-फसाद (3)
21. रदपट, अधर, ओंठ, ओष्ठ (2)

वर्ग पहेली 5888 का हल

वु	ल	र	झी	ल	■	सौ	■
ड	ल	■	ल	ह	र	दा	र
क	क	ड़ी	■	क	■	प	द
ट	■	■	ता	ना	■	ट	■
र	म	क	ना	■	स	ना	थ
■	स	■	शा	र	दा	■	ल
सा	ल	■	ह	ज	■	मा	च
दा	न	व	■	नी	लो	फ	र

दिख रहा प्रशासनिक सख्ती का असर

(दिनेश सिंह)

दीपावली त्योहार पर लोग इसके स्वागत में पूरी तैयारी से जुटे थे। खरीदारी तो आमतौर पर धनतेरस तक पूरी हो जाती है, लेकिन जी को ललचाने वाली मिठाइयां दीपावली के दिन तक लोगों की परीक्षा लेती रहती हैं। बच्चे, युवा, बुजुर्ग, सभी दीपावली के इस आनंददायी त्योहार में जी भरकर मिठाई खाना पसंद करते हैं। मगर दुखद यह है कि मिलावटखोरों के कारण ये मिठाइयां कभी-कभी जानलेवा भी बन जाती हैं। व्यापारिक प्रतिस्पर्द्धा में मिठाई को सस्ता करने, उसकी लागत घटाने, अधिक मुनाफा कमाने, उसे आकर्षक व टिकाऊ बनाने, ज्यादा दिनों तक खराब होने से बचाने या खराब हो जाने पर खराबी छिपाने आदि के चक्कर में हलवाई मिठाइयों में इस कदर कृत्रिम रसायन मिला देते हैं कि वे स्वास्थ्य के लिए खतरनाक बन जाती हैं। यह सुस्वादु व्यंजन गुर्दा, यकृत और हृदय जैसे अंगों को गंभीर क्षति भी पहुंचा सकता है।

यह तो अच्छा है कि देश-प्रदेश की सरकारें इस घातक मिलावट को रोकने के लिए अब चौकस हैं। वे न सिर्फ समय-समय पर दुकानों पर छापेमारी करती हैं, बल्कि गुनहगारों को अब जेल भी हो रही। मिलावटखोरों के खिलाफ कठोर कानून बनाए गए हैं। यहां तक कि कोई कच्चा माल या तैयार सामग्री जांच में विषाक्त मिलती है, तो उनको तुरंत नष्ट कर दिया जाता है। प्रशासन इस कदर चौकस है कि वह देर रात भी किसी व्यावसायिक ठिकाने पर छापा मारने से नहीं चूकता। यही वजह है कि मिलावटखोरों के लिए रास्ते बेशक पूरी तरह से बंद नहीं हुए हैं, पर संकीर्ण जरूर हो गए हैं। वे अब बहुत आसानी से मिलावट का खेल नहीं खेल पाते। रही-सही कसर आम लोगों ने पूरी कर दी है, जो अपनी जागरूकता से ऐसे मिलावटखोरों को बेनकाब करते हुए उनको कानून के हवाले करते रहते हैं।

मिलावटखोरों के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाइयों का और फायदा मिल सकता है, यदि कुछ अन्य पहलुओं पर गौर किया जाए। मसलन, ईमानदार और

अच्छा काम करने वाले व्यापारियों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए और दूध, खोया, चीनी जैसी सामग्रियों की खरीद पर त्योहारी मौसम में विशेष छूट दी जानी चाहिए। नियमों के अनावश्यक बोझ को भी कम करने की जरूरत है, ताकि व्यापारी अनधिकृत तरीके को अपनाने का मोह त्याग सकें। साफ है, प्रशासनिक स्तर पर किए गए प्रयासों का असर दिख रहा है। अब जरूरत है अतिरिक्त प्रयास करने की। अगर हमारा प्रशासनिक तंत्र इसे लेकर भी सक्रिय हो जाए, तो मिलावट का खेल करीब-करीब खत्म हो जाएगा।

(लेखक चिकित्सक है)

आज का राशिफल

मेष

आज कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव हो सकते हैं। नए नियमों का आज के दिन सामना करना पड़ सकता है। लेकिन आपका संतुलित व्यवहार माहौल को बेहतर बनाए रखने में मदद करेगा। आज सहकर्मी आपके विचारों की कद्र करेंगे। बिजनेस में नए अवसरों के संकेत दिख रहे हैं। आज के दिन सोच-समझकर निवेश करें।

वृष

आज का दिन करियर में प्रगति लेकर आएगा। ऑफिस में काम को समय पर पूरा कर अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में सफल रहेंगे। व्यापारियों के लिए दिन लाभकारी है। आज कोई डील फाइनल हो सकती है। परिवार में खुशी और उत्साह का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें और खानपान पर ध्यान दें। शाम को किसी करीबी मेहमान के आगमन से

मिथुन

आज का दिन करियर में तरक्की और सम्मान दिलाने वाला रहेगा। पिता या किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग महत्वपूर्ण कार्य पूरा करवा सकता है। नौकरीपेशा लोग किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में सफलता पा सकते हैं। धन के नए स्रोत खुलने की संभावना है, लेकिन अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाना जरूरी होगा।

कर्क

आज अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। इस दौरान आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। करियर में बेहतर अवसर मिलेंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। भाग्य आपका साथ देगा और अटका हुआ धन वापस मिल सकता है। बिजनेस को बढ़ाने का विचार बना सकते हैं। सामाजिक स्तर पर आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

सिंह

आज सिंह राशि के जातकों के लिए दिन उपलब्धि से भरा रहेगा। राजनीति, प्रशासन या प्रबंधन क्षेत्र से जुड़े लोगों को सफलता मिल सकती है। प्रतियोगी परीक्षा से जुड़े मामलों में भाग्य का सहयोग मिलेगा। व्यापार में रुका हुआ काम अचानक गति पकड़ सकता है। परिवार में संतान से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है।

कन्या

आज के दिन परिश्रम के अनुसार आपको फल की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल होंगी और वरिष्ठों से सराहना मिलेगी। आज के दिन व्यवसाय में लाभ की संभावना दिख रही है। घरेलू जीवन में शुभ कार्यक्रमों में भागीदारी हो सकती है। रचनात्मक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहने वाला है।

तुला

आज का दिन करियर के लिए शुभ रहेगा। उच्च शिक्षा, रिसर्च या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए दिन उपलब्धियों से भरा रहने वाला है। नौकरीपेशा लोग अपनी मेहनत से सफलता पाएंगे। आय में वृद्धि होने की संभावना दिख रही है। इस दौरान व्यापारियों को भी लाभ होगा और नए सहयोगी बनेंगे। परिवार में सौहार्द बना रहेगा और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक

आज आर्थिक दृष्टि से दिन अच्छा रहने वाला है। रुका हुआ पैसा मिल सकता है और इनकम के नए स्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और ईमानदारी का प्रभाव देखने को मिलेगा। हालांकि इस दौरान आपको वाणी पर संयम रखना होगा। वरना बात बिगड़ सकती है और रिश्तों पर असर पड़ सकता है।

धनु

आज घरेलू आवश्यकताओं पर खर्च करना पड़ सकता है। वाहन, गृह-सामग्री या इलेक्ट्रॉनिक चीजें खरीदने की संभावना है। कार्यस्थल पर सहकर्मियों से तालमेल बनाकर रखें। इस दौरान विवाद या तनाव से दूर रहें। कानूनी मामलों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन अंत में फैसला आपके पक्ष में होगा। व्यापार में आज कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें।

मकर

आज का दिन व्यवसाय में प्रगति और लाभ लेकर आया है। नए काम की शुरुआत करने के लिए समय अनुकूल है। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या जिम्मेदारी बढ़ने के संकेत हैं। मेहनत का उचित फल मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस दौरान रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। पारिवारिक जीवन में खुशी बनी रहेगी।

कुंभ

आज का दिन चुनौतियों से भरा रहेगा। पारिवारिक जीवन में कुछ तनाव हो सकता है। खासकर जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी। करियर में जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। समय आने पर हालात आपके पक्ष में होंगे। जमीन या संपत्ति से जुड़े मामलों में कानूनी सलाह अवश्य लें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। हालांकि खर्च बढ़ सकता है। शाम के समय समस्याओं में कमी आएगी ।

मीन

आज भाग्य आपका साथ देगा और वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। करियर में उन्नति के अवसर मिलेंगे। बिजनेस में प्रगति होगी और नए कॉन्ट्रैक्ट मिलने की संभावना है। नौकरीपेशा लोगों के काम की सराहना होगी। पदोन्नति के योग बन रहे हैं। छात्र आज पढ़ाई में मन लगाएंगे और जटिल विषयों को समझने में सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति भी आज के दिन सुधरेगी।

20 साल में सोना 7638 से बढ़कर 1.32 लाख तक पहुंचा

केवल 4 बार ही गिरे दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दो दशकों में सोने ने निवेश का सबसे भरोसेमंद जरिया साबित किया है। 2005 में जहां सोना 7,638 रुपये प्रति 10 ग्राम था, वहीं 17 अक्टूबर 2025 को यह 1,27,008 रुपये तक पहुंच गया, यानी लगभग 16 गुना उछाल। केडिया एडवाइजरी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक इसी अवधि में चांदी में भी भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद 1,184 प्रतिशत की बढ़त दर्ज हुई। 2005 में 13,272 प्रति किलो से बढ़कर अब यह 1,70,415 तक पहुंच गई है।

दूसरी ओर, सेंसेक्स ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। 2005 के 9,398 अंकों से बढ़कर 2025 में 85,978 के स्तर पर पहुंच गया, यानी करीब 814 प्रतिशत की छलांग। हालांकि, लंबी अवधि में सोने ने दोनों को पीछे छोड़ दिया। 17 अक्टूबर 2025 को सोना अपने अब तक के ऑल टाइम हाई लेवल 1,32,294 रुपये के करीब पहुंच गया।

विश्लेषकों के मुताबिक, वैश्विक अनिश्चितता, महंगाई और डॉलर में उतार-चढ़ाव से जहां सोने में तेजी बनी रही, वहीं घरेलू शेयर बाजार लॉन्ग टर्म में मजबूत रिटर्न देने में सफल रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले महीनों में यदि ब्याज दरों में कटौती का संकेत मिलता है तो सोने और सेंसेक्स दोनों में नई तेजी देखी जा सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आर्थिक अनिश्चितता के दौर में सोना एक सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है।

सोना, चांदी और सेंसेक्स का साल-दर-साल प्रदर्शन (2005-2025)

2005 में सोना 7,638 और चांदी 13,272 जबकि सेंसेक्स 9,398 पर था।

2006 में सोना 9,265 पर पहुंच गया। कुल बढ़त 21.30 प्रतिशत की हुई। इस साल चांदी 19,424 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई और 46.35 प्रतिशत उछली। जबकि, सेंसेक्स 46.69 प्रतिशत उछलकर 13,786 पर पहुंच गया।

2007 में सोना 10,598 पर था और इस साल केवल 14.39 प्रतिशत ही चढ़ा। वहीं, चांदी 19,463 पर पहुंची, जिसमें बढ़त केवल 0.20 प्रतिशत की रही। सेंसेक्स इस साल 47.15 प्रतिशत उछलकर 20,286 पर पहुंच गया।

2008 में सोना 13,630 पर था और इस साल 28.61 प्रतिशत उछला। वहीं, चांदी 18,355 पर पहुंची और इस साल इसमें 5.69 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। जबकि, सेंसेक्स बुरी तरह 52.44 प्रतिशत लुढ़ककर 9,648 पर आ गया।

2009 में सोना 16,686 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा और इसमें 22.42 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई। जबकि, चांदी एक बार फिर तेजी की राह पकड़ कर 26,771 पर पहुंची और इसमें 45.85 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। दूसरी तरफ सेंसेक्स ने बाउंस बैक किया और 17,465 पर पहुंच गया। इस दौरान 81.02 प्रतिशत की बंपर उछाल दर्ज की गई।

2010 में सोना 20,728 पर पहुंच गया और इसमें 24.22 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। चांदी बंपर तेजी के साथ 46,217 पर पहुंचने के लिए 72.64 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स इस साल 20,510 पर पहुंचा और 17.43 प्रतिशत की बढ़त दर्ज किया।

2011 में 27,329 पर सोना पहुंच गया और 31.85 प्रतिशत की उछाल दर्ज किया। जबकि, चांदी 51,029 पर पहुंचा और 10.41 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। जबकि, सेंसेक्स 24.65 प्रतिशत की गिरावट दर्ज कर 15,455 पर आ गया।

2012 में सोने के भाव 30,859 पर पहुंच गए और 12.92 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। चांदी के रेट 57,864 पर थे और 13.39 प्रतिशत की तेजी दर्ज की। जबकि, सेंसेक्स 19,426 पर पहुंच गया और 25.69 प्रतिशत की उछाल दर्ज की।

2013 में सोने का भाव 28,422 पर आ गया। इस दौरान इसमें 7.90 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। चांदी में 24.25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 43,833 रुपये प्रति किलो पर आ गई। सेंसेक्स में इस साल 8.98 प्रतिशत की तेजी रही और यह 21,170 पर पहुंच गया।

2014 में सोने का भाव 26,703 पर था और यह 6.05 प्रतिशत टूट गया था। चांदी 17.89 प्रतिशत टूटकर 35,990 पर आ गई। सेंसेक्स 27,500 पर पहुंच गया और इसने 29.90 प्रतिशत की उड़ान भरी।

2015 में 10 ग्राम सोना 6.64 प्रतिशत सस्ता होकर 24,931 पर और चांदी 7.48 प्रतिशत टूटकर 33,299 पर आ गई। सेंसेक्स भी इस साल 5.03 प्रतिशत टूटकर 26,117 पर आ गया।

2016 में सोना 27,445 पर पहुंच गया और इसमें 10.08 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। चांदी 39,049 पर पहुंची और इसमें 17.27 प्रतिशत का इजाफा हुआ। सेंसेक्स भी 26,626 पर था और इसमें 1.95 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

2017 में सोने का रेट 29,156 पर था और 6.23 प्रतिशत ही चढ़ा। चांदी की चमक भी मामूली रही और 39,237 पर पहुंची। इसमें बढ़त रही मात्र 0.48 प्रतिशत की। लेकिन, इस साल सेंसेक्स 34,057 पर पहुंच गया और कुल उछाल 27.91 प्रतिशत की रही।

2018 में सोना 31,391 पर पहुंचा और 7.67 प्रतिशत उछला। चांदी 38,821 पर आ गई। इसमें 1.06 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 36,068 पर पहुंचा और इसमें बढ़त 5.91 प्रतिशत की रही।

2019 में सोना 39,108 पर पहुंचा और 24.58 प्रतिशत उछला। चांदी 46,711 पर पहुंच गई और तेजी रही 20.32 प्रतिशत की। सेंसेक्स भी 41,254 के लेवल पर पहुंचा और 14.38 प्रतिशत की उछाल दर्ज की।

2020 में सोना 50,151 पर पहुंच गया। इसने 28.24 प्रतिशत की उड़ान भरी। जबकि, चांदी रेस में काफी आगे निकल गई और 68,105 पर पहुंच गई। इसने 45.80 प्रतिशत की बंपर उछाल दर्ज की। सेंसेक्स भी 47,751 पर पहुंचा और 15.75 प्रतिशत की तेजी दर्ज की।

2021 में सोने का मूल्य 48,099 पर आ गया। इसमें 4.09 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। चांदी भी 62,660 पर आ गई और 8.00 प्रतिशत टूटी। सेंसेक्स 58,254 पर पहुंच गया और 21.99 प्रतिशत की उड़ान भरी।

2022 में सोना 55,017 पर था और 14.38 प्रतिशत की तेजी दर्ज किया। चांदी भी 69,413 पर पहुंच गई और 10.78 प्रतिशत की बढ़त हासिल किया। सेंसेक्स 60,841 पर पहुंचा और 4.44 प्रतिशत की उड़ान भरी।

2023 में सोना 63,203 पर पहुंचा और 14.88 प्रतिशत की बढ़त हासिल किया। चांदी 74,430 रुपये पर थी और 7.23 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। सेंसेक्स 72,240 पर था और इसमें 18.74 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई।

2024 में सोना 76,748 पर पहुंच गया। इसमें 21.43 प्रतिशत का उछाल आया। चांदी 87,233 पर थी और 17.20 प्रतिशत की तेजी दर्ज की। सेंसेक्स 78,139 पर पहुंचा और 8.17 प्रतिशत की बढ़त हासिल की।

17 अक्टूबर 2025 सोना 1,27,008 पर था और 65.49 प्रतिशत की तेजी हासिल कर चुका था। चांदी सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर 1,56,604 पर थी और 79.52 प्रतिशत की उड़ान दर्ज की। सेंसेक्स भी 83,952 पर था और 7.44 प्रतिशत की तेजी दर्ज की।

सोना इस अक्टूबर में ऑल टाइम हाई 1,32,294 और चांदी 1,70,415 रुपये पर पहुंची।

रुपये में उतार-चढ़ाव रोकने के लिए आरबीआई ने अगस्त में बेचे 7.7 अरब डॉलर, बुलेटिन में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने विनिमय दर में उतार-चढ़ाव को रोकने और अमेरिकी मुद्रा मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट को थामने के लिए अगस्त में 7.7 अरब डॉलर की बिकवाली की। आरबीआई के ताजा बुलेटिन में प्रकाशित डॉलर की बिक्री/खरीद के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में केंद्रीय बैंक की डॉलर की शुद्ध बिक्री 7.69 अरब डॉलर रही। यह पिछले महीने की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक है। आंकड़ों से यह भी पता चला कि रिजर्व बैंक ने जुलाई और अगस्त में अमेरिकी डॉलर नहीं खरीदे। रिजर्व बैंक का घोषित रुख यह है कि वह रुपया-डॉलर विनिमय दर के लिए किसी स्तर या बैंड को लक्ष्य नहीं करता है, बल्कि विदेशी मुद्रा बाजार में केवल तभी हस्तक्षेप करता है जब अत्यधिक अस्थिरता होती है। अगस्त में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 1.6 प्रतिशत की गिरावट आई। सितंबर में भी बढ़ते व्यापार तनाव, बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के कम होने के बीच डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में गिरावट आई।

बड़े प्रोजेक्ट पर डिफेंस की दिग्गज कंपनी का जोर, शेयर पर निवेशकों की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार ने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को लेकर अपना फोकस और बढ़ा दिया है। सरकारी स्वामित्व वाली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) भारत की नौसैनिक शक्ति को मजबूत करने में बड़ी भूमिका निभा रही है। भारत के सबसे बड़े जहाज निर्माताओं में से एक कोचीन शिपयार्ड ने देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत की सफल डिलीवरी के बाद कई नई रक्षा परियोजनाओं पर तेजी से काम शुरू कर दिया है। बता दें कि कोचीन शिपयार्ड के शेयर फिलहाल 1812 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के प्रोजेक्टस को देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले समय में इस शेयर पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

16,000 करोड़ रुपये की रक्षा परियोजना पर चल रहा काम: कंपनी फिलहाल करीब 16,000 करोड़ रुपये की रक्षा परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिनमें आठ पनडुब्बी रोधी युद्धक शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) और छह अगली पीढ़ी के मिसाइल पोत (एनजीएमवी) शामिल हैं। मनीकंट्रोल को दिए एक विशेष साक्षात्कार में, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड की अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मधु एस नायर ने कंपनी द्वारा वर्तमान में निर्मित की जा रही 16,000 करोड़ रुपये की रक्षा परियोजनाओं की प्रगति के बारे में बात की, जिनमें आठ पनडुब्बी रोधी युद्धक शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) कोरवेट और छह अगली पीढ़ी के मिसाइल पोत शामिल हैं। नायर ने कहा कि एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी पोत अग्रिम चरण में हैं।

बेदह ही खराब रहा टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड का परफॉर्मेंस

33 प्रतिशत तक गिर गया है भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड पिछले एक साल में निफ्टी 50 इंडेक्स का सबसे कमजोर परफॉर्मेंस देने वाला शेयर बन गई है। पिछले मुहूर्त ट्रेडिंग (दिवाली 2024) से अब तक कंपनी के शेयरों में करीब 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके बावजूद, अधिकांश ब्रोकरेज हाउस कंपनी के दीर्घकालिक फंडामेंटल्स को मजबूत मानते हुए 'ब्रह्व4' की रेटिंग बनाए हुए हैं। कंपनी के शेयर का वर्तमान प्राइस 4,801 रुपये है।

शेयर प्रदर्शन और मौजूदा स्थिति: सोमवार को ट्रेंट का शेयर 4,608.05 पर कारोबार कर रहा था, जो दिनभर में 3.41 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। पिछले एक वर्ष में कंपनी का बाजार पूंजीकरण एक-तिहाई तक घट गया है, जबकि निफ्टी के अन्य खुदरा शेयरों ने तुलनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन किया है।

सितंबर तिमाही के नतीजे और वृद्धि दर में मंदी: सितंबर 2025 तिमाही में ट्रेंट लिमिटेड की स्टैंडअलोन राजस्व वृद्धि 17 प्रतिशत वर्ष-दर-वर्ष रही। हालांकि यह वृद्धि दर घटती प्रवृत्ति को दर्शाती है। पिछली पांच तिमाहियों में कंपनी की बिक्री वृद्धि क्रमशः 57 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 37 प्रतिशत, 29 प्रतिशत और 20 प्रतिशत रही थी। ब्रोकरेज मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा कि राजस्व वृद्धि में यह गिरावट 'सेम-स्टोर सेल्स ग्रोथ ' की मंदी, कैनिबलाइजेशन (स्व-प्रतिस्पर्धा) और उच्च बेस इफेक्ट के कारण है।

स्टोर विस्तार में तेजी: स्न्नह्रस्रु की रिपोर्ट के अनुसार, जून तिमाही में सुस्त विस्तार के बाद सितंबर तिमाही में स्टोर विस्तार में तेजी आई है। कंपनी का कुल स्टोर काउंट 33 प्रतिशत बढ़कर 1,101 हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आमतौर पर दूसरी छमाही (एच2) में स्टोर विस्तार की रफ्तार तेज रहती है, इसलिए निवेशकों की नजर अब ट्रेंट के फैशन स्टोर नेटवर्क के और विस्तार पर होगी। कंपनी का मुख्य विकास चालक अभी भी स्टोर विस्तार ही बना हुआ है।

ब्रोकरेज हाउस के अनुमान और राय: नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज का अनुमान है कि सितंबर तिमाही में ट्रेंट का शुद्ध लाभ 451.60 करोड़ रहेगा, जो 7 प्रतिशत साल दर साल वृद्धि दर्शाता है। इसका ई बी आई टी डी ए मार्जिन 16.5 प्रतिशत है और ग्रॉस मार्जिन त्त्2 स्न्ङ्घ26 में घटकर 43.4 प्रतिशत रहने की संभावना, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही (44.2 प्रतिशत) से थोड़ा कम है। यह गिरावट 'ह्नस्ठ्ठ' ब्रांड की हिस्सेदारी बढ़ने से मिक्स में बदलाव के कारण मानी जा रही है।

आरबीएल बैंक में बिक गई बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएनपी पारिबा फाइनेंशियल मार्केट्स ने 20 अक्टूबर को खुले बाजार लेनदेन के जरिए 377 करोड़ रुपये में प्राइवेट सेक्टर के लेंडर आरबीएल बैंक में 1.9 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। एमिरेट्स एनबीडी बैंक को 26,850 करोड़ रुपये तक के निवेश के साथ बैंक में 60 प्रतिशत तक इक्विटी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद, आरबीएल बैंक के शेयरों में सोमवार को 9 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई और यह 326.65 रुपये पर बंद हुआ था। ईएनबीडी आम शेयरधारकों से 26 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक अनिवार्य खुली पेशकश भी लाएगा।

क्या है डिटेल: बीएनपी पारिबा फाइनेंशियल मार्केट्स ने बैंक में 317.85 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 377.35 करोड़ रुपये में 1.18 करोड़ इक्विटी शेयर (1.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर) खरीदे हैं। ब्लिस जीवीएस फार्मा भी सोमवार को सक्रिय रहा, जो पिछले सप्ताह हुए समेकन के बाद 2.2 प्रतिशत बढ़कर 155.43 रुपये पर पहुंच गया। मैटियस ने एरियन इन्वेस्टमेंट से 39.15 करोड़ रुपये में 150.6 रुपये प्रति शेयर के भाव पर इस फार्मा कंपनी के 26 लाख शेयर खरीदे हैं। सितंबर 2025 तक, एरियन इन्वेस्टमेंट के पास ब्लिस में 7.43 प्रतिशत हिस्सेदारी (78.53 लाख शेयर) थी।

इस बीच, इन्फिनिटी एसेट एडवाइजर्स ने डीसीबी बैंक के 16.54 लाख शेयर (0.52 प्रतिशत हिस्सेदारी) 145.18 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 24.01 करोड़ रुपये में बेचे। हालांकि, मजबूत गैप-अप ओपनिंग के बाद औसत से अधिक कारोबार के बीच डीसीबी बैंक के शेयर 12.21 प्रतिशत बढ़कर 144.78 रुपये पर पहुंच गए। साउथ इंडियन बैंक में भी सक्रियता देखी गई, जिसके शेयरों में ब्रेकआउट हुआ और लंबी तेजी वाली कैंडल फॉर्मेशन के साथ 15.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 37.73 रुपये पर पहुंच गए। आदित्य कुमार हलवासिया ने 2.01 करोड़ शेयर (0.76 प्रतिशत हिस्सेदारी 35.24 रुपये प्रति शेयर के भाव पर) 70.83 करोड़ रुपये में खरीदे।

इंडिया मैक्स इन्वेस्टमेंट फंड द्वारा 1.44 लाख शेयर (0.75 प्रतिशत हिस्सेदारी) 134.08 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1.93 करोड़ रुपये में बेचे जाने के बाद एलटी एलिवेटर के शेयर 4.21 प्रतिशत गिरकर 133.15 रुपये पर आ गए। सितंबर 2025 तक, इंडिया मैक्स इन्वेस्टमेंट फंड के पास एलटी एलिवेटर के 2.88 लाख शेयर (1.5 प्रतिशत हिस्सेदारी) थे।

कर्मचारी अरविंद की मौत विवाद पर ओला ने दी सफाई, कहा- कंपनी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक के कर्मचारी अरविंद की मौत मामले में कर्नाटक पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही है। गत छह अक्तूबर को अरविंद की मौत के मामले में पुलिस ने ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल, वरिष्ठ अधिकारी सुब्रत कुमार दास और कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में अब ओला इलेक्ट्रिक ने सफाई पेश करते हुए जांच में सहयोग करने और कर्मचारियों की सुरक्षा, उनके सम्मान के प्रति प्रतिबद्ध होने का दावा किया है।

कंपनी के प्रवक्ता ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, हमें अपने सहयोगी अरविंद के दुर्भाग्यपूर्ण निधन पर गहरा दुख है। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। अरविंद साढ़े तीन साल से ओला इलेक्ट्रिक से जुड़े थे और बेंगलोर स्थित हमारे मुख्यालय में कार्यरत थे। अपने कार्यकाल के दौरान, अरविंद ने अपनी नौकरी या किसी भी उत्पीड़न के बारे में कभी कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई।

क्या कर्नाटक हाईकोर्ट ने कंपनी को दी राहत?: ओला इलेक्ट्रिक ने अरविंद की मौत के बाद उपजे विवाद को लेकर कहा, अरविंद जिस भूमिका का निर्वाह कर रहे थे, उसमें प्रमोटर सहित कंपनी के शीर्ष प्रबंधन के साथ उनका कोई सीधा संपर्क नहीं होता था। कंपनी ने कहा, एफआईआर दर्ज करने को हमने कर्नाटक उच्च न्यायालय की पीठ के समक्ष चुनौती दी है।

सफाई में बोली ओला इलेक्ट्रिक- कंपनी सभी कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

कंपनी का कहना है कि हाईकोर्ट ने ओला इलेक्ट्रिक तथा उसके अधिकारियों के पक्ष में सुरक्षात्मक आदेश पारित किया है। अरविंद के परिवार की तरफ से लगाए गए आरोपों और कंपनी की तरफ से दी जाने वाली मदद के पहलू पर ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा, परिवार की तत्काल मदद के लिए, कंपनी ने तुरंत उनके बैंक खाते में पूरी राशि का भुगतान किया। ओला इलेक्ट्रिक जांच अधिकारियों का पूरा सहयोग कर रही है। कंपनी अपने सभी कर्मचारियों को सुरक्षित, सम्मानजनक और सौहार्दपूर्ण कार्यस्थल मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

क्या है पूरा मामला, मौत के दो दिन बाद खाते में जमा हुए 17 लाख+ रुपये: दरअसल, ओला इलेक्ट्रिक के कर्मचारी के. अरविंद, होमोलोगेशन इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे। जांच अधिकारियों के मुताबिक उन्होंने कथित तौर पर 28 सितंबर, 2025 को उन्होंने जहर खाकर खुदकुशी कर ली। मौत के दो दिन बाद कंपनी ने अरविंद के बैंक खाते में 17.46 लाख रुपये ट्रांसफर किए।

28 पेज के सुसाइड नोट में गंभीर आरोप: अरविंद के कमरे की तलाशी के दौरान, पुलिस ने 28 पन्नों का सुसाइड नोट भी बरामद किया। अरविंद ने कथित तौर पर कंपनी के सीईओ भाविश अग्रवाल और एक अन्य अधिकारी सुब्रत कुमार दास पर मानसिक उत्पीड़न, अत्यधिक काम का बोझ और वेतन के साथ-साथ बकाया राशि का भुगतान न करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

टाटा ट्रस्ट में विवाद के बीच वेणु श्रीनिवासन को अहम जिम्मेदारी, अब मिस्त्री पर नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से वेणु श्रीनिवासन को आजीवन ट्रस्टी (न्यासी) के रूप में फिर से नियुक्त किया है। संगठन के भीतर कथित आंतरिक मतभेदों के बीच अब सभी की निगाहें मेहली मिस्त्री की वापसी के संबंध में होने वाले फैसले पर टिकी हैं। बता दें कि श्रीनिवासन का कार्यकाल 23 अक्टूबर को खत्म होने वाला था, जिससे पहले इस सप्ताह उनकी पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दी गई। यह फैसला टाटा ट्रस्ट के भीतर विभाजन की खबरों के बीच हुआ, जहां एक गुट नोएल टाटा के साथ जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। नोएल ने रतन टाटा के निधन के बाद चेयरमैन का पद संभाला था। दूसरा गुट पूर्व दिग्गज के वफादारों का है।

खत्म होने वाला है मिस्त्री का कार्यकाल: मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि टीवीएस समूह के मानद चेयरमैन श्रीनिवासन की फिर से नियुक्ति सर्वसम्मति से हुई है। टाटा ट्रस्ट ने इस खबर पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अब ध्यान मिस्त्री की पुनर्नियुक्ति पर है, जिनका कार्यकाल 28 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। इस बात पर राय बंटी हुई है कि क्या उनका कार्यकाल अपने आप आगे बढ़ जाएगा या आजीवन कार्यकाल के लिए न्यासियों की सर्वसम्मति से मंजूरी लेनी होगी। बता दें कि टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जो 156 साल पुराने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। इसमें 30 सूचीबद्ध इकाइयों सहित लगभग 400 कंपनियां शामिल हैं।

17 अक्टूबर को हुई बैठक का हवाला: सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के न्यासियों की 17 अक्टूबर, 2024 को हुई संयुक्त बैठक का हवाला देते हुए, उस व्यक्ति ने कहा कि यह संकल्प लिया गया था कि किसी भी ट्रस्टी का कार्यकाल खत्म होने पर, संबंधित ट्रस्ट द्वारा उसे बिना किसी कार्यकाल अवधि की सीमा के पुनर्नियुक्त किया जाएगा। इसके अलावा 17 अक्टूबर, 2024 के प्रस्ताव के अनुसार, सभी न्यासियों की नियुक्ति दीर्घकालिक और आजीवन आधार पर की जाएगी और 75 वर्ष की आयु होने पर ट्रस्टीशिप पर पुनर्विचार किया जाएगा।

दुनिया का इकलौता होटल, दीवार हो या टॉयलेट, जिसके हर चीज पर लगा है सोना

आज हम आपको एक ऐसे होटल के बारे में बताने वाले हैं, जिसके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे. ये होटल अपनी बेहतरीन सुविधाओं से ज्यादा सोने की दीवारों और डेकोरेशन की वजह से चर्चित रहता है. दुनिया में बहुत सी ऐसी जगहें हैं, जिन्हें हम वहां मौजूद किसी खास चीज़ के लिए जानते हैं. कुछ जगहों को शानदार बीच की वजह से तो किसी को सुंदर इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से पहचाना जाता है. आज हम आपको एक ऐसी जगह के बारे में बताएंगे, जो अपने सुनहरे होटल की वजह से चर्चा में रहती है. यहां एक आलीशान होटल खुला, जिसकी हर एक चीज़ सोने से कोटेड है. आपने कई होटलों को अपनी अजीबोगरीब बनावट की वजह से मशहूर होते देखा होगा लेकिन एक ऐसा होटल वियतनाम की राजधानी हनोई में खुला है, जहां हर चीज़ गोल्डेन है. इस होटल के दरवाजे, खिड़कियां, फर्नीचर, नल, और टॉयलेट समेत हर चीज़ को बनाने में सोने का इस्तेमाल किया गया है. यहां जाकर आपको राजा-महाराजा वाली फीलिंग आएगी क्योंकि इस होटल में खाने के बर्तन भी सोने के बने हुए हैं.

कहां है सोने का होटल?

हम जिस अजूबे होटल की बात कर रहे हैं, वो वियतनाम की राजधानी हनोई में बना हुआ है. इसका नाम डोल्से हनोई गोल्डन लेक है. कुल 25 मंजिल वाले इस फाइव स्टार होटल में कुल 400 कमरे हैं. खास बात तो ये है कि अंदर ही नहीं होटल की बाहरी दीवारों पर भी 54,000 वर्ग फीट में गोल्ड प्लेटेड टाइल्स लगाई गई हैं. लॉबी से लेकर फर्नीचर और साज-सज्जा के समानों पर भी सोने की कारीगरी की गई है. और तो और कर्मचारियों का ड्रेस कोड भी रेड और गोल्डन रखा गया है.

बाथरूम में भी सोने की कारीगरी

यहां मौजूद कमरों में फर्नीचर और साज-सज्जा के समानों पर गोल्ड की प्लेटिंग की गई है. बाथटब, सिंक, शॉवर से लेकर सभी एक्सेसरीज भी गोल्ड से बनी हुई हैं. होटल की छत पर बने इंफिनिटी पूल की बाहरी दीवार भी गोल्ड प्लेटेड ईंटों से बनी है. डोल्से हनोई गोल्डन लेक में रूम्स का शुरुआती किराया करीब 20 हजार रुपए हैं, जबकि डबल बेडरूम सुइट में एक रात रुकने की किराया करीब 75 हजार रुपए है इस होटल में कुल 6 तरह के कमरे और सुइट मौजूद हैं. वहीं प्रेसिडेंशियल सुइट में एक रात रुकने के लिए 4.85 लाख रुपए खर्च करने होंगे.

मोसाद से भी ज्यादा खतरनाक इजराइल की सीक्रेट साइबर वारफेयर यूनिट 8200

यूनिट 8200 इजरायल की सेना का हिस्सा है। यह इजरायली सेना के इंटेलिजेंस डायरेक्टरेट के अंतर्गत आती है। इसके अलावा दो और यूनिट इसके अंतर्गत काम करती है। यूनिट 8200 का मुख्य फोकस तकनीक होती है। यह खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और उस पर एक्शन लेने के तकनीकी एंगल पर काम करती है।

दुश्मनों की जासूसी में माहिर है यूनिट 8200

इस यूनिट ने वेस्ट बैंक और गाजा में फिलिस्तीनियों की जासूसी करने के साथ-साथ कई बड़े हमास नेताओं की जासूसी भी की है। यह यूनिट विदेशों में भी इजरायल के दुश्मनों पर नजर रखती है और इसकी सूचना इजरायली सेना और दूसरी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा करती है। इस यूनिट ने इजरायल को दुश्मनों के सैकड़ों हमलों से बचाया है। इसमें काम करने वाले साइबर वायरफेयर, हैकिंग और कंप्यूटर संबंधी दूसरे कामों में माहिर होते हैं।

कई ऑपरेशनों को अंजाम दे चुकी है यूनिट 8200

यूनिट 8200 की गतिविधियां आमतौर पर अत्यधिक गुप्त होती हैं। इन्हें सिग्नल इंटेलिजेंस से लेकर डेटा माइनिंग और तकनीकी हमलों में महारत हासिल होती है। ऐसे आरोप लगते हैं कि इजरायली यूनिट 8200 ने कुछ सीक्रेट ऑपरेशनों में दुश्मन के सिस्टम पर स्टक्सनेट वायरस से हमले किए थे। इसी वायरस ने ईरानी परमाणु सेंट्रीफ्यूज को निष्क्रिय कर दिया और 2017 में लेबनान की सरकारी दूरसंचार कंपनी ओगेरो पर साइबर हमला किया। पिछले साल, इसके कमांडिंग ऑफिसर ने तेल अवीव में एक कॉन्फ्रेंस में बताया कि यूनिट ने हमास के लक्ष्यों को चुनने में मदद करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का इस्तेमाल किया है।

लीक से हटकर काम करती है यूनिट

पूर्व सैन्य खुफिया अधिकारी योसी कुपरवासेर ने यूनिट 8200 की प्रशंसा करते हुए कहा है कि इसके सदस्य इजराइली सेना में सबसे अच्छे और प्रतिभाशाली कर्मचारी हैं। इस यूनिट में इजराइल के सबसे बेहतरीन सुरक्षाकर्मियों को भर्ती किया जाता है। यह यूनिट लीक से हटकर काम करने के लिए जानी जाती है।

क्या है इजरायल की यूनिट 8200

जिस यूनिट 8200 पर बात हो रही है, वह इजरायल की सेना का हिस्सा है। यह इजरायली सेना के इंटेलिजेंस डायरेक्टरेट के अंतर्गत आती है। इसके अलावा दो और यूनिट इसके अंतर्गत काम करती है। यूनिट 8200 का मुख्य फोकस तकनीक होती है। यह खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और उस पर एक्शन लेने के तकनीकी एंगल पर काम करती है। इजरायल की यह यूनिट उसकी मुख्य खुफिया एजेंसी मोसाद से इतर है। मोसाद जहाँ देश की प्रमुख खुफिया एजेंसी है और उसके ऑपरेशन विदेशों में भी चलते हैं, वहीं उसके मुकाबले यूनिट 8200 छोटी टीम है और इसका मुख्य फोकस तकनीक पर रहता है। यूनिट 8200 मात्र खुफिया जानकारी इकट्ठा ही नहीं करती बल्कि वह टूल्स भी बनाती हैं जो इसमें काम आते हैं। इसके अलावा यह साइबर युद्ध और टेलीकम्यूनिकेशन जैसी तकनीकों में भी माहिर है। हमेशा पर्दे के पीछे रह काम करने वाली यह एजेंसी सामान्य फोन की बातचीत से लेकर जटिल कम्प्यूटर वाली तकनीकों को हैक करने में सक्षम मानी जाती है। लेबनान हमले के मामले में यूनिट 8200 का नाम इसलिए आया है क्योंकि ऐसी तकनीकी क्षमता इसी के पास है। बताया जा रहा है कि लेबनान में हुए धमाकों की प्लानिंग में यह खुफ़िया एजेंसी शुरूआती दिनों से जुड़ी हुई थी। कथित तौर पर इसका काम इन पेजरों और बाकी मशीनों में विस्फोटक को रखना था। लेबनान में हुए धमाकों में हिजबुल्लाह को बड़ा नुकसान हुआ है, उसने इन धमाकों की पूरी जिम्मेदारी इजरायल पर ही डाली है।

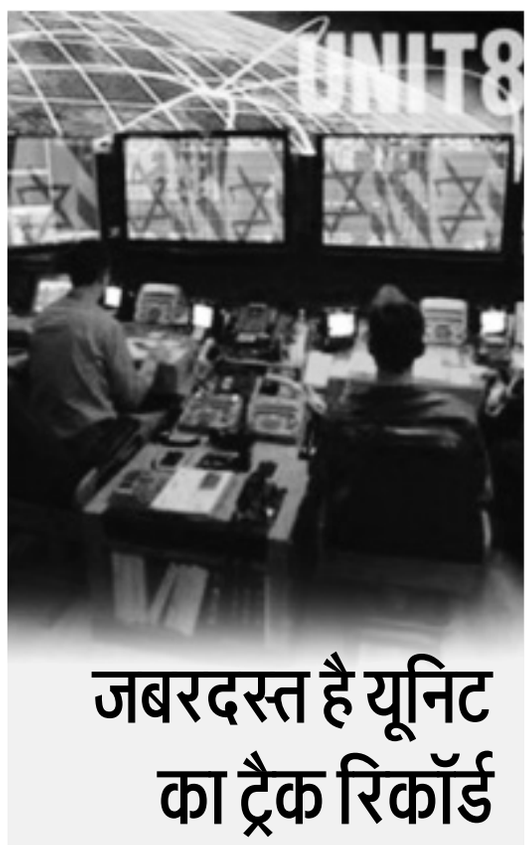

जबरदस्त है यूनिट का ट्रैक रिकॉर्ड

इजरायल की इस यूनिट के नाम कई कारनामे हैं। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बर्बाद करने में इस यूनिट की बड़ी भूमिका मानी जाती है। बताया जाता है कि इसने एक वायरस बनाया था। इस वायरस के जरिए इस यूनिट ने ईरान के परमाणु संयत्रों पर हमला किया। यह वायरस परमाणु संयत्रों में लगे सेंट्रीफ्यूज को अंदर से ही जला देता था। इसकी जानकारी लम्बे समय तक ईरान को नहीं हो पाई। सेंट्रीफ्यूज किसी भी परमाणु प्रोग्राम का प्रमुख हिस्सा होते हैं क्योंकि जरिए ही परमाणु पदार्थों जैसे यूरेनियम को विस्फोटक स्तर पर लाया जाता है। इसके अलावा इस 8200 यूनिट ने 2018 में संयुक्त अरब अमीरात से ऑस्ट्रेलिया जा रहे एक विमान को हाइजैक होने से बचाया था। बताया गया था कि इस विमान पर ISIS हमला करता उससे पहले ही ऑस्ट्रेलिया की पुलिस को यह सूचना 8200 यूनिट ने दे दी और यह घटना टल गई।

टेक एक्सपर्ट होते हैं भर्ती

चर्चाओं में बनी इजरायल की यह यूनिट 8200 बड़ी संख्या में टेक एक्सपर्ट भर्ती करती है। यह यूनिट मेधावी युवाओं को भर्ती करती है जो साइबर या कम्प्यूटर की फील्ड के विद्वान होते हैं। इसके अलावा गणित जैसे विषयों के विशेषज्ञ भी भर्ती किए जाते हैं। उन लोगों को टीम में जगह दी जाती है जो इजरायल की बड़ी आईटी कम्पनियों में ऊँचे पदों पर रहे होते हैं। इनका काम नई तकनीकों की खोज करना और दुश्मनों की तकनीकों को काटने वाले टूल खोना तथा लीक से हटकर सोचना होता है। इसके कई पुराने सदस्य बताते हैं कि यह यूनिट एक स्टार्टअप की तरह काम करती है और। हालाँकि, इसके सैनिक जमीन पर लड़ने के लिए भी भेजे जा सकते हैं। इस यूनिट में करने वाले लगातार दुश्मनों के फोन, कम्प्यूटर समेत बाकी डिवाइस से जानकारी इकट्ठा करने के लिए काम करते हैं। इसके अलावा दुश्मन देशों की साइबर तकनीक को मात देना भी इनके एजेंडे में शामिल होता है। इस यूनिट का हाथ कई बड़े साइबरअटैक में बताया जाता है।

चार हजार साल पुराने रहस्य से उठा पर्दा, वैज्ञानिकों का दावा

ऐसे बनाए गए थे मिस्र में पिरामिड

पिरामिडों को लेकर किए जाने वाले तमाम दावों के बाद भी इनके निर्माण को लेकर पहेली पूरी तरह से नहीं सुलझ पाई है। अब इसे लेकर एक नया दावा किया गया है।

मिस्र के पिरामिड को लेकर कई रहस्य हैं। इन रहस्यों को आज तक वैज्ञानिक नहीं सुलझा पाए हैं। यह पिरामिड दुनिया को आकर्षित करते हैं। हजारों साल पहले फिरौन के लिए भव्य मकबरे के तौर पर बनाए गए यह पिरामिड आज भी ज्यों के त्यों खड़े हैं। आखिर इन विशाल संरचनाओं का निर्माण कैसे किया गया है? प्राचीन समय में बड़े पत्थरों को उठाने के लिए किस तकनीक का इस्तेमाल किया गया होगा? दुनिया के लिए यह सवाल आज भी बने हुए हैं।

पिरामिड का कैसे हुआ निर्माण?

पिरामिडों को लेकर किए जाने वाले तमाम दावों के बाद भी इनके निर्माण को लेकर पहेली पूरी तरह से नहीं सुलझ पाई है। अब इसे लेकर एक नया दावा किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी कैरोलिना विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक टीम ने बड़ा दावा किया है। उनका कहना है कि मिस्र के 31 पिरामिड का निर्माण नील नदी के लंबे-चौड़े खंड के साथ किया गया है। इनमें गीजा का 450 फीट ऊंचा ग्रेट पिरामिड भी शामिल है।

शोध की पिछली धारणा को चुनौती

प्रोफेसर इमान घोनिम के नेतृत्व में शोध टीम ने इसे दावे से पिछली धारणा को चुनौती दी है। घोनिम का कहना है कि नील नदी के छिपे भाग को मैप करने में मदद करने के लिए आसपास के ऐतिहासिक मानचित्रों के संयोजन की मदद से जांच की गई कि आखिर पिरामिड का वास्तव में कैसे निर्माण किया गया था। शोधकर्ताओं की टीम ने पाया कि प्राचीन मिस्रवासियों ने 4,700 से 3,700 साल पहले इन पिरामिडों को बनाने के लिए विशाल पत्थर के ब्लॉकों के परिवहन में मदद करने के लिए नील नदी के इस निश्चित हिस्से का इस्तेमाल किया था। घोनिम की टीम मानती है कि पिरामिडों का मूल निर्माण स्थान दबी नदियां और प्राचीन संरचनाएं थीं। यह प्राचीन मिस्र के पिरामिडों के पास तलहटी में मिलीं।

22 अक्टूबर का ऐतिहासिक दिन, जब भारत ने लगातार तीसरी बार जीता कबड्डी वर्ल्ड कप खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल जगत के लिए 22 अक्टूबर का दिन बेहद खास है। इसी दिन भारत ने ईरान को शिकस्त देकर कबड्डी वर्ल्ड कप अपने नाम किया था। अहमदाबाद में खेले गए इस खिताबी मुकाबले में भारत ने ईरान को 38-29 से शिकस्त देकर लगातार तीसरी बार खिताब जीता।शनिवार के इस दिन फैंस को मेजबान भारत से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उसके सामने ईरान की कड़ी चुनौती थी, लेकिन जीत के हीरो अजय ठाकुर ने लगातार सफल

रेड डालते हुए कुल 12 अंक हासिल किए। भारत की शुरुआत निराशाजनक रही थी। भारत की पहली रेड में अनूप कुमार खाली हाथ लौटे। इसके बाद अजय ठाकुर ने ही भारत का खाता खोलते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरी ओर, मिराज ने ईरान का खाता खोला और बोनस अंक के साथ ईरान ने मुकाबले में 2-2 से बराबरी कर ली।

मिराज दो अंक लेकर ईरान को 9-7 से आगे कर चुके थे, लेकिन भारत ने सुपर टैकल करते हुए स्कोर 10-9 कर लिया। हालांकि, ईरान ने हाफ टाइम तक भारत पर 18-13 की बढ़त हासिल कर ली थी। यहां से ईरान भारत को विश्व कप फाइनल में पहली बार मात देने का सपना देखने लगा था। ऐसे में दूसरे हाफ में भारत को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा। अजय ठाकुर ने लगातार सफल रेड डालते हुए भारत को मुकाबले में 20-20 की बराबरी पर ला दिया। इस बराबरी के बाद भारत ने ईरान को ऑल आउट करते हुए 24-21 से बढ़त बना ली। यहां से भारत ने मुकाबले में पीछे मुड़कर नहीं देखा और आखिरकार 38-29 से जीत दर्ज कर ली। यह कबड्डी विश्व कप के फाइनल में भारत की लगातार तीसरी जीत थी। इससे पहले साल 2004 और 2007 में भारत इस खिताब को अपने नाम कर चुका था। रोचक बात यह है कि तीनों बार भारत ने खिताबी मुकाबले में ईरान को ही शिकस्त दी।

साल 2004 में भारत और ईरान अपने-अपने ग्रुप में टॉप पर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंचे, जहां भारत ने बांग्लादेश को, जबकि ईरान ने कनाडा को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मैच में भारत ने ईरान को 55-27 से हराया। साल 2007 में भारत ने ईरान को 29-19 से शिकस्त देकर लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इस विश्व कप में किर्गिस्तान और पाकिस्तान ने भाग नहीं लिया। इस बीच बांग्लादेश और जापान संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन, पहले दौर में बाहर हुए चार खिलाड़ी

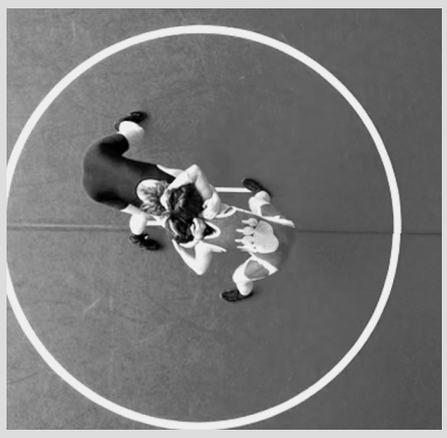

नई दिल्ली, एजेंसी। गौरव (63 किग्रा), अंकित (77 किग्रा), रोहित बूरा (87 किग्रा) और जोगिंदर राठी (130 किग्रा) किसी भी तरह की चुनौती पेश नहीं कर पाए और अपने-अपने मुकाबले बुरी तरह हार गए। भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों ने अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया। पहले दिन भारतीय पहलवान एक भी मुकाबला नहीं जीत सके और सभी चार खिलाड़ियों को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। गौरव (63 किग्रा), अंकित (77 किग्रा), रोहित बूरा (87 किग्रा) और जोगिंदर राठी (130 किग्रा) किसी भी तरह की चुनौती पेश नहीं कर पाए और अपने-अपने मुकाबले बुरी तरह हार गए। गौरव का मुकाबला किर्गिस्तान के कुट्टूबेक ए अब्दुराजाकोव से था और वह तकनीकी श्रेष्ठता के कारण हार गए। अंकित को सर्बिया के जालान पेक के खिलाफ इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा। रोहित को क्वालिफिकेशन राउंड में अमेरिका के पेटन जे जैकबसन से जबकि जोगिंदर को उज्बेकिस्तान के दामिरखोन रख्मातोव से हार का सामना करना पड़ा।

पंत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत अब एक बार फिर मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं। लम्बे इंतज़ार के बाद उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में आधिकारिक वापसी 30 अक्टूबर को होगी। पंत भारत ए टीम की कप्तानी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच में उतरेंगे। यह मुकाबला बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा।

- **चोट से उबरने के बाद नई शुरुआत-** जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान पंत को पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके बाद से वह मैदान से दूर थे। लगभग तीन महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद अब उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की अनुमति दे दी है। सूत्रों के मुताबिक, अक्टूबर की शुरुआत में पंत अपने रिकवरी के आख़िरी चरण में थे और अब वे पूरी तरह से फिट माने जा रहे हैं।

इस टीम के खिलाफ करेंगे कप्तानी

- **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत-** चोट के बाद पंत ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में लंबा समय बिताया। वहां उन्होंने फिजियो और ट्रेनर्स की निगरानी में लगातार वजन प्रशिक्षण, बैलेंस और मूवमेंट एक्सरसाइज़ पर काम किया। पंत का पैर अब पूरी तरह से मजबूत हो चुका है और उन्होंने बल्लेबाज़ी और विकेटकीपिंग दोनों अभ्यास शुरू कर दिए हैं।
- **रणजी वापसी की योजना में बदलाव-** पहले ऐसा माना जा रहा था कि ऋषभ पंत 25 अक्टूबर से दिल्ली की ओर से हिमाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में खेलकर वापसी करेंगे। हालांकि अब यह योजना बदल गई है, क्योंकि भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच पहला चार दिवसीय मैच रणजी मुकाबले के खत्म होने के सिर्फ दो दिन बाद शुरू होगा। ऐसे में वृद्धिमान साहा ने तय किया कि पंत की वापसी

सीधे भारत ए टीम के साथ होनी चाहिए ताकि वह बड़े मंच पर अपनी लय पा सकें।

- **कप्तान के रूप में नई चुनौती-** बीसीसीआई ने न केवल ऋषभ पंत को टीम में शामिल किया है, बल्कि उन्हें कप्तानी की ज़िम्मेदारी भी दी है। इससे साफ है कि बोर्ड उनके अनुभव और नेतृत्व पर भरोसा कर रहा है। टीम में उनके उप-कप्तान होंगे साई सुदर्शन, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारत ए टीम

पहला मैच के लिए टीम: ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दूसरा मैच के लिए टीम: ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तान

केशव महाराज के नाम सात विकेट, मेजबान 333 रन पर ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टीम रावलपिंडी में जारी दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में महज 333 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक, सऊद शकील और कप्तान शान मसूद ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं।रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम को 35 के स्कोर पर इमाम-उल-हक (17) के रूप में झटका लगा।

इसके बाद अब्दुल्ला शफीक ने कप्तान मसूद के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को संभाला। शफीक 146 गेंदों में चार चौकों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बाबर आजम (16) भी चलते बने। पाकिस्तानी टीम का जब तीसरा विकेट गिरा, उस समय तक स्कोर 167 रन था। यहां से कप्तान मसूद ने सऊद शकील के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जुटाते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। मसूद 176 गेंदों में 87 रन बनाकर आउट हुए। 246 के स्कोर तक पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (19) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से सलमान आगा ने सऊद शकील के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन जुटाते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आगा 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शकील ने 66 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान की इस पारी में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 42.4 ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने 102 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, साइमन हार्मर ने 2 सफलताएं हासिल कीं। शेष 1 विकेट तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने अपने नाम किया।

पाकिस्तान ने दो मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच 93 रन से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। ऐसे में मेजबान टीम की कोशिश इस मुकाबले को जीतकर 2-0 से क्लीन स्वीप करना होगा। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीकी टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 1-1 से ड्रॉ करवाने की कोशिश करेगी।

ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम को हराया सीजन का पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीता

लंदन, एजेंसी। ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम पर 2-0 की शानदार जीत के साथ सीजन का अपना पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीत लिया है। इस जीत के साथ ब्रेंटफोर्ड ने नूनो एस्पिरिटो सैंटो के कोच बनने के बाद वेस्ट हैम के पहले घरेलू मैच का मजा किरकिरा कर दिया।अपने पिछले तीनों अवे लीग मैच हारने वाली मेहमान टीम शुरू से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही थी। इगोर थियागो और सब्स्टीट्यूट मैथियास जेनसन के गोलों की बदौलत ब्रेंटफोर्ड ने जीत दर्ज की, जबकि यह हार वेस्ट हैम को अंकतालिका में 19वें स्थान पर और नीचे धकेल गई। 43वें मिनट में ब्रेंटफोर्ड ने बढ़त हासिल कर ली। वेस्ट हैम एक लॉन्ग बॉल को क्लीयर करने में नाकाम रहा। केविन शैड ने गेंद को हल्के से इगोर थियागो की दिशा में बढ़ाया, जिन्होंने लो शॉट लगाकर गोल किया। उनके शॉट में अल्फोंस एरीओला के टच के बावजूद गेंद को लाइन क्रॉस कराने की पर्याप्त शक्ति थी। हाफटाइम से ठीक पहले थियागो ने एक और गोल दागा, जिससे बढ़त दोगुनी होती नजर आई, लेकिन उसे ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया। यह फैसला इसलिए दिलचस्प रहा, क्योंकि वैश्विक तकनीकी गड़बड़ी के चलते प्रीमियर लीग को अपने सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड सिस्टम को बंद कर पिछले सीजन के मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल करना पड़ा।

हाफटाइम पर जब टीमें मैदान से बाहर जा रही थीं, तो वेस्ट हैम के खिलाड़ियों को दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा। इससे नाराज होकर कोच नूनो एस्पिरिटो सैंटो ने दूसरे हाफ की

शुरुआत में ही तीन डिफेंसिव बदलाव किए, ताकि टीम को स्थिर किया जा सके। वेस्ट हैम कभी भी बराबरी का गोल करने की स्थिति में नजर नहीं आया। हैमर्स की निराशा तब और बढ़ गई जब मथियास जेन्सन ने स्टॉपेज टाइम (90+5) में ब्रेंटफोर्ड की जीत पक्की कर दी। ब्रेंटफोर्ड ने मुकाबले में 2-0 से लीड हासिल कर ली। वेस्ट हैम ने अपने इतिहास में दूसरी बार लगातार पांच घरेलू टॉप-फ्लाइट मैच गंवाए हैं। इससे पहले अप्रैल 1931 में ऐसा हुआ था।

एक दूसरे के खिलाफ अपनी बादशाहत साबित करने के लिए भिड़ेंगे ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड

महिला विश्व कप:

इंदौर, एजेंसी। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पहले ही महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं और ऐसे में बुधवार को यहां जब यह दोनों टीम शीर्ष स्थान के लिए होने वाले मुकाबले में आमने सामने होंगी तो उनका लक्ष्य एक दूसरे पर अपनी बादशाहत साबित करना और अपनी जीत की लय बरकरार रखना होगा। दोनों टीमें अब तक अजेय रही हैं। इन दोनों टीम ने अभी तक चार मैच जीते हैं जबकि दोनों का एक-एक मैच बारिश की भेंट चढ़ गया था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड के 1.490 की तुलना में 1.818 के बेहतर नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर है। इस मैच में जो भी टीम जीत हासिल करेगी उसका शीर्ष स्थान पक्का हो जाएगा। इसके अलावा उसे सेमीफाइनल से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त भी हासिल हो जाएगी।

एलिसा हीली की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को अभी तक कुछ अवसरों पर चुनौती का सामना भी करना पड़ा है लेकिन उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। पहले दो मैच में उसके बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन

नहीं कर पाए थे लेकिन एशले गार्डनर और बेथ मूनी के शानदार प्रदर्शन से वह न्यूज़ीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल करने में सफल रही थी। इसके बाद लगातार दो मैच में शतक लगाने वाली कप्तान हीली और भरोसेमंद फोएबे लिचफील्ड के नेतृत्व में उनके शीर्ष क्रम ने अपनी लय हासिल कर ली है। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को तेज गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा है और नई गेंद की विशेषज्ञ मेगन शट जैसी गेंदबाज इसका फायदा उठाने के लिए उत्सुक होंगी। ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल है, क्योंकि इस वर्ष के शुरू में उसने घरेलू मैदान पर उन्हें सभी प्रारूपों में परास्त किया था। लेकिन इंग्लैंड यहां की परिस्थितियों को बेहतर तरीके से जानता है क्योंकि कुछ दिन पहले उसने यहां भारत को पराजित किया था।

इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दबाव में भी अपना धैर्य बनाए रखा, जिसमें लिंसे स्मिथ ने कमाल दिखाया। उन्होंने अंतिम ओवर में 13 रन बचाने से पहले स्मृति मंधाना का महत्वपूर्ण विकेट लिया। इसके अलावा उसके पास बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन और ऑफ स्पिनर चार्ली डीन जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं जो लगातार इंग्लैंड को मुश्किल परिस्थितियों से उबारती रही है। इंग्लैंड के लिए बल्लेबाजी हालांकि चिंता का विषय है क्योंकि अभी तक रन की बनाने की मुख्य जिम्मेदारी अनुभवी हीथर नाइट और नैट साइवर-ब्रंट ने उठाई है। इंग्लैंड को अगर जीत हासिल करनी है तो उसके अन्य बल्लेबाजों को भी योगदान देना होगा।

ग्राहम पॉटर स्वीडन के नए हेड कोच नियुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट हैम के पूर्व मैनेजर ग्राहम पॉटर को स्वीडन का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। पॉटर को यह जिम्मेदारी अस्थायी रूप से सौंपी गई है, ताकि वह स्वीडन की फीफा विश्व कप क्वालीफिकेशन में कमजोर प्रदर्शन कर रही टीम की उम्मीदों को फिर से जीवित कर सकें।50 वर्षीय पॉटर ने अपनी नई भूमिका को लेकर कहा, स्वीडन के पास शानदार खिलाड़ी हैं, जो दुनिया की सर्वश्रेष्ठ लीग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। मेरा काम ऐसी परिस्थितियां तैयार करना होगा, जिससे हम एक टीम के रूप में सर्वोच्च स्तर पर प्रदर्शन करें और अगले साल गर्मियों में स्वीडन को विश्व कप तक पहुंचा सकें। जॉन डाहल टॉमसन की बर्खास्तगी के बाद से स्वीडन के पास हेड कोच नहीं था। टॉमसन को 13 अक्टूबर को कोसोवो से 1-0 की हार के बाद बर्खास्त कर दिया गया था। इस परिणाम ने ग्रुप बी से टीम की स्वतः क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को खत्म कर दिया है। हालांकि, अभी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। 2024-25 यूईएफए नेशंस लीग में शानदार प्रदर्शन

की बदौलत स्वीडन के पास शीर्ष दो में जगह न बनाने के बावजूद प्ले-ऑफ में पहुंचने की संभावना है। स्वीडन ने यूईएफए नेशंस लीग में अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था। पॉटर वेस्ट हैम में एक मुश्किल कार्यकाल के बाद स्टॉकहोम पहुंचे हैं, जहां उन्हें सितंबर के अंत में बर्खास्त कर दिया गया था। हैमर्स ने 2025-26 प्रीमियर लीग सीजन के छह मैचों में केवल एक ही जीत दर्ज की थी, जिससे टीम रेलीगेशन जोन में थी। जनवरी में क्लब में शामिल होने के बाद, पॉटर ने 23 मुकाबलों में सिर्फ छह जीत हासिल की थी। इसके बावजूद, पॉटर स्वीडिश फुटबॉल में एक सम्मानित शख्सियत बने हुए हैं। उन्होंने ओस्टरसंड को स्वीडन की चौथी श्रेणी से सिर्फ चार सीजन में ऑलस्वेन्स्का तक पहुंचाया और 2017 में स्वेंस्का कपेन जीता। पॉटर के कोचिंग करियर में स्वानसी सिटी और ब्राइटन में सफल कार्यकाल भी शामिल है। इससे पहले 2022 में चेल्सी में एक संक्षिप्त और चुनौतीपूर्ण कार्यकाल भी शामिल है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के भारत आने की संभावना नहीं, अल नासर और एएफसी गोवा के बीच होना है मैच

मडगांव, एजेंसी। सऊदी अरब के शीर्ष क्लब अल नासर की टीम एफसी गोवा के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग 2 के मैच के लिए सोमवार की रात को पहुंचेगी लेकिन दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 22 अक्तूबर को होने वाले मैच के लिए मेहमान टीम के साथ आने की संभावना नहीं है। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के भारत आने की संभावना नहीं है। रोनाल्डो को भारत में खेलते देखने के लिए प्रशंसक काफी बेताब थे, लेकिन माना जा रहा है कि रोनाल्डो भारत नहीं आएंगे। दरअसल, सऊदी अरब के शीर्ष क्लब अल नासर की टीम एफसी गोवा के खिलाफ एएफसी चैंपियंस लीग 2 के मैच के लिए सोमवार की रात को पहुंचेगी लेकिन दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के 22 अक्तूबर को होने वाले मैच के लिए मेहमान टीम के साथ आने की संभावना नहीं है। सऊदी अरब के खेल समाचार पत्र अल रियादिया के अनुसार एफसी गोवा प्रबंधन के कई बार अनुरोध के बावजूद 40 वर्षीय रोनाल्डो अल नासर की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। एफसी गोवा ने पूर्व एएफसी कप विजेता अल सीब को हराकर चैंपियंस लीग के दूसरे चरण में जगह बनाई थी।

न्यूज डायरी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले महापौर कुलभूषण गोयल

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। महापौर कुलभूषण गोयल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पंचकूला में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि शहर को चंडीगढ़ की तर्ज पर "सिटी ब्यूटीफुल" के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था में और सुधार किया जाए तथा सफाई कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाए ताकि शहर के हर कोने में स्वच्छता बनी रहे।

महापौर कुलभूषण गोयल ने मुख्यमंत्री को नगर निगम पंचकूला द्वारा उनके कार्यकाल के दौरान किए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग पांच वर्षों में शहर में सड़क निर्माण, पार्कों के सौंदर्यीकरण, सीवरेज सुधार, स्ट्रीट लाइट व्यवस्था और ठोस कचरा प्रबंधन जैसे अनेक कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पंचकूला को पर्यावरण के अनुकूल और आधुनिक सुविधाओं से युक्त शहर बनाने के लिए नगर निगम लगातार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री सैनी ने महापौर के कार्यों की सराहना की और कहा कि सरकार पंचकूला को प्रदेश का सबसे स्वच्छ और आकर्षक शहर बनाने के लिए हरसंभव सहयोग देगी।

भारतीय डाक ने शुरू किया मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी अपडेशन हेतु विशेष अभियान

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय डाक विभाग द्वारा ग्राहकों की सुविधा के लिए दिनांक 16 अक्तूबर 2025 से दो माह की अवधि के लिए सभी सक्रिय डाक जीवन बीमा (PLI) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (RPLI) पॉलिसियों के मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के अपडेशन हेतु एक विशेष अभियान आरंभ किया गया है।

डाक विभाग सभी पीएलआई और आरपीएलआई पॉलिसीधारकों से अपील करता है कि वे अपनी संपर्क जानकारी (मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी) को अद्यतन करवाएं, क्योंकि समय पर पॉलिसी संबंधी सूचनाएं प्राप्त करने और डिजिटल सेवाओं का पूर्ण लाभ उठाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। एक वैध मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी आधिकारिक पीएलआई ग्राहक पोर्टल पर लॉगिन करने तथा पॉलिसी प्रबंधन के लिए जरूरी हैं।

मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी के अद्यतन से पॉलिसीधारकों को पॉलिसी ई-स्टेटमेंट, प्रीमियम देय तिथि की सूचनाएं, सुरक्षित ऑनलाइन भुगतान विवरण और अन्य महत्वपूर्ण अपडेट सीधे ईमेल एवं एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होंगे।

मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी अपडेट करने की प्रक्रिया: अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी अपडेट कराने के लिए अपने नजदीकी विभागीय या शाखा डाकघर पर जाएं। इसके लिए अपनी पॉलिसी संख्या और वैध पहचान पत्र साथ लेकर जाएं। जानकारी के सफलतापूर्वक अपडेट होने पर आपको पुष्टिकरण एसएमएस या ईमेल प्राप्त होगा।

ऑनलाइन प्रीमियम जमा करने की प्रक्रिया: ऑनलाइन प्रीमियम जमा करने के लिए https://pli.indiapost.gov.in पर जाएं। "ग्राहक लॉगिन" पर क्लिक करें और अपने अद्यतन मोबाइल नंबर या ईमेल आईडी का उपयोग कर पंजीकरण करें। इसके बाद "प्रीमियम भुगतान" विकल्प चुनें और दिए गए निर्देशों का पालन करें। आप यूपीआई, डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग या अन्य स्वीकृत माध्यमों से भुगतान कर सकते हैं।

डाक जीवन बीमा और ग्रामीण डाक जीवन बीमा पॉलिसी धारकों से अनुरोध है कि वे नजदीकी डाकघर में जाकर मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी अपडेट कराएं, ताकि वे पीएलआई ग्राहक पोर्टल की सभी ऑनलाइन सेवाओं का सुगमता से लाभ उठा सकें। इस पहल के माध्यम से भारतीय डाक भविष्य में डाकघरों पर कैशलेस भुगतान विकल्पों को बढ़ावा देकर डिजिटल अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। डाक विभाग ग्राहक संतुष्टि एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध है।

गढ़वाल सभा के प्रथम वार्षिक अधिवशन में सविधान संशोधन के रखे प्रस्ताव पारित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गढ़वाल सभा, चण्डीगढ़, सेक्टर-29 की आम बैठक आज गढ़वाल भवन में सम्पन्न हुई, जिसमें गढ़ समाज के अनेक प्रबुद्ध सदस्यों ने भाग लिया। इनमे मुख्यतः सभा के पूर्व प्रधान सब्बल सिंह पुंडीर, महासचिव भारत सिंह नेगी, बीबी बहुगुणा, सुरेन्द्र रावत, पंडित लाखी राम, जगदीश बंगारी, हरीश वर्थवाल, पूर्व प्रधान विक्रम बिस्ट, सुभाष शर्मा तथा रविंदर भंडारी व गढ़वाल सभा, चंडीगढ़ की महिला प्रकोष्ठ के साथ-साथ अन्य कई गणमान्य सदस्यों ने भाग लिया। बैठक की शुरुआत सभा के दिवंगत कोष निरीक्षक कारण सिंह पंवार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई।

सभा के महासचिव बीरेंद्र कंडारी ने जानकारी दी कि वर्तमान कार्यकारिणी ने एक वर्ष पूर्व पदभार ग्रहण किया था और इस अवधि में भवन में कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए गए हैं, जिनमें चंडीगढ़ प्रशासन के निर्देशानुसार अग्निशमन यंत्र की स्थापना, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, भवन के भूतल हाल एवं स्नानघरों का सौंदर्यीकरण तथा भवन में रंग-रोगन व संविधान संशोधन समिति द्वारा किये गए आंशिक संशोधन जैसे कार्य शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि सभा की संविधान संशोधन समिति के सयोंजक जिसमें जगदीश असवाल ने सभा के संविधान में जो भी संशोधन प्रस्तावित किए जिन्हे आम बैठक में रखे सभी को ध्वनि मत से अनुमोदित किया गया। इनमें मुख्यतः कार्यक्षेत्र का विस्तार चंडीगढ़, पंचकुला, नयागांव, जीरकपुर के शहरी क्षेत्रों के अतिरिक्त झामपुर एवं जुझार नगर को भी शामिल किया गया। पदाधिकारियों की संख्या 13 की जगह 15 कर दी गई जो दो पद नये बढ़ाये गये उनमें 1 पद उप वित्त सचिव और 1 पद प्रेस सचिव का शामिल है।

हरियाणा पुलिस ने दी अपने अनोखे अंदाज़ में दिवाली की सौगात – मुस्कान बाँटी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कहाँ से लाऊँ वो जुगनू कि जो तिरे दर पर,जले तो सारा जमाना कहे कि 'हाँ, दीवाली' —

इसी भावना को साकार करते हुए हरियाणा पुलिस ने इस बार त्योहार को लेकर लोगों की धारणा बदलने के लिए दिवाली कुछ अलग ढंग से मनाई। जहाँ आम लोग रोशनी, पटाखों और मिठाइयों में त्योहार मनाते हैं, वहीं हरियाणा पुलिस ने समाज के उन हिस्सों तक खुशियाँ पहुँचाने का बीड़ा उठाया जो अक्सर इस उजाले से दूर रह जाते हैं — अनाथालय, वृद्धाश्रम, झुग्गी-झोपड़ पट्टियाँ और बेघर लोग। हरियाणा पुलिस के अधिकारी इस दिवाली घरों में बैठकर उपहार नहीं ले रहे, बल्कि सड़कों, झोपड़पट्टियों और आश्रमों में जाकर उन चेहरों पर मुस्कान बाँट रहे हैं जिनके पास कोई नहीं।

इस विशेष पहल के तहत राज्यभर के पुलिस अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे स्थानों का चयन किया जहाँ मदद की सबसे अधिक आवश्यकता थी। पुलिसकर्मियों ने स्वयं बच्चों और बुजुर्गों के साथ दीप जलाए, मिठाइयाँ बाँटीं और उन्हें त्योहार की गर्माहट का अहसास कराया। यह दिवाली न केवल रोशनी की, बल्कि मानवीय संवेदना और साझी मुस्कान की बनी।

पलवल से एक प्रेरक उदाहरण सामने आया, जहाँ एसपी पलवल श्री वरुण सिंगला ने अपने परिवार सहित अनाथ बच्चों और असहाय लोगों के साथ दिवाली मनाई। उन्होंने बच्चों के साथ दीये जलाए, गीत गाए और उनके बीच मिठाइयाँ वितरित कीं। इस अवसर पर श्री सिंगला ने कहा — सच्ची दिवाली वही है जब हम किसी ज़रूरतमंद के जीवन में उजाला भर सकें। समाज के वंचित वर्गों के साथ खुशियाँ बाँटना ही इस पर्व का वास्तविक अर्थ है।

हरियाणा पुलिस की यह पहल उस सोच का प्रतीक है जो वर्दी को केवल अनुशासन और कानून तक सीमित नहीं रखती, बल्कि उसे समाज की भावनाओं से जोड़ती है। कठिन ड्यूटी, सीमित अवकाश और निरंतर जिम्मेदारियों के बावजूद पुलिसकर्मियों ने अपने त्योहार का समय समाज के सबसे कमजोर तबके के नाम किया — यह अपने आप में एक प्रेरक संदेश है।

अनाथालयों में खिलखिलाहटें, वृद्धाश्रमों में आँसूओं के बीच मुस्कान, और झोपड़पट्टियों में दीयों की रोशनी — इस बार हरियाणा पुलिस ने यह साबित कर दिया कि जब सेवा ही धर्म बन जाए, तो हर दिन दिवाली बन जाता है।

हरियाणा पुलिस की यह मानवीय पहल समाज को यह संदेश देती है कि पुलिस सिर्फ सुरक्षा की प्रतीक नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी प्रहरी है। जिस रोशनी को उन्होंने दूसरों के घरों में बाँटा, वही उनके दिलों में सबसे उजली दीवाली बन गई।

दिवाली पर पंचकूला को स्वास्थ्य का तोहफा

- स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की पहल पर सिविल अस्पताल पंचकूला को मिली अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड मशीन
- प्रदेश के अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया जाएगा : आरती सिंह राव

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की पहल पर पंचकूला जिले के नागरिकों को इस दिवाली के अवसर पर बड़ा स्वास्थ्य उपहार मिला है।

राज्य की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के विशेष प्रयासों से सिविल अस्पताल पंचकूला को लगभग एक करोड़ रुपए की लागत की अत्याधुनिक कलर डॉपलर अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराई गई है।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि इस आधुनिक मशीन के लगने से पंचकूला जिले के मरीजों को अब और अधिक सटीक व उच्च गुणवत्ता वाली डॉयग्नोस्टिक सुविधाएं मिल सकेंगी। उन्होंने कहा कि यह मशीन गर्भवती महिलाओं, हृदय रोगियों और अन्य गंभीर बीमारियों के समय पर निदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि सिविल अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सकों से सुसज्जित किया जाए ताकि लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं अपने ही जिले में मिल सकें। आरती सिंह राव ने बताया कि यह मशीन शीघ्र ही अस्पताल में कार्य करना शुरू कर देगी, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को तत्काल लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वृद्धाश्रम में मनाया दीपोत्सव, वृद्धजनों संग बाँटी खुशियाँ

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने दीपावली के पावन अवसर पर पंचकूला के सेक्टर-15 स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों के साथ दीपोत्सव मनाया। इस अवसर पर उनके साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुमन सैनी भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री ने वृद्धजनों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं, उन्हें मिठाइयाँ वितरित कीं और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री सैनी ने वृद्धजनों के साथ आतिशबाजी कर इस उत्सव की खुशियाँ सांझा कीं। उन्होंने कहा कि पंचकूला के वृद्धाश्रम में पहुंचकर सम्माननीय वृद्धजनों के साथ दीपोत्सव मनाना एक अत्यंत आत्मीय, प्रेरणादायी और आनंददायक अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि यह पर्व प्रेम, स्नेह और मानवीय संवेदनाओं का प्रतीक है, जो हमें यह सिखाता है कि सच्चा उत्सव वही है, जिसमें हर चेहरे पर मुस्कान और हर हृदय में अपनत्व का प्रकाश झिलमिलाता हो।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर पंचकूला में होगा "रन फॉर यूनिटी" का आयोजन

उपायुक्त ने जिलावासियों से की सहभागिता की अपील

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में आगामी शुक्रवार, 31 अक्टूबर को पंचकूला में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया जाएगा। देश की एकता और अखंडता को समर्पित इस दौड़ में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

उपयुक्त श्री सतपाल शर्मा ने आज यहाँ लघु सचिवालय के सभागार में जिला अधिकारियों के साथ बैठक कर 'रन फॉर यूनिटी' के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

इससे पहले मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता और हरियाणा सरकार में विशेष अधिकारी, कम्युनिटी पुलिसिंग एवं आउटरीच श्री पंकज नैन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी दी और रन फॉर यूनिटी के आयोजन को लेकर आवश्यक दिशानिर्देश दिए। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में प्रत्येक जिला मुख्यालय पर 'रन फॉर यूनिटी' का भव्य आयोजन किया जायेगा।

उपायुक्त ने बताया कि 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी 'रन फॉर यूनिटी' में पंचकूला के नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। इस आयोजन के माध्यम से पंचकूला वासी एकजुट होकर देश की एकता, अखंडता और भाईचारे का संकल्प लेंगे। इस दौड़ में स्कूल और कॉलेज के छात्र, खिलाड़ी, महिलाएं तथा आम नागरिक उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

उन्होंने कहा कि यह दौड़ राष्ट्रीय एकता और समर्पण का प्रतीक है, जिसमें प्रतिभागी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश देंगे और सरदार वल्लभ भाई पटेल को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। उपायुक्त ने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी संबंधित विभागों को समय पर सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बैठक में नगराधीश श्रीमती जागृति, जिला खेल अधिकारी श्री नील कमल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फरीदाबाद में 15 फीट ऊँचे आशादीप का प्रज्ज्वलन- प्रकाश, एकता और आशा का महोत्सव - विपुल गोयल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रकाश के पावन पर्व दीपावली के शुभ अवसर पर, हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल की गरिमामयी उपस्थिति में फरीदाबाद के लेबर चौक पर 15 फीट ऊँचे भव्य आशादीप के प्रज्ज्वलन का भव्य आयोजन हुआ। यह दीप न केवल एक प्रतीक है, बल्कि एकता, सद्भाव और आशा के अमृतमयी प्रकाश का संदेशवाहक बनकर समूचे फरीदाबाद को आलोकित करेगा।

श्री विपुल गोयल ने दीप प्रज्ज्वलन के अवसर पर अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। जब हम समाज के प्रत्येक वर्ग तक इस प्रकाश को पहुँचाने का संकल्प लेते हैं, तभी यह पर्व अपने सच्चे अर्थों में सार्थक होता है। इस भव्य आयोजन में स्थानीय नागरिकों, महिलाओं, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसने इस आयोजन को एक जनोत्सव का स्वरूप प्रदान किया। दीप जलाओ, आशा बढ़ाओ के गूंजते नारों ने वातावरण को उत्साह और उमंग से सराबोर कर दिया।

यह 15 फीट ऊँचा आशादीप, परंपरा और पर्यावरणीय चेतना के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है। जिसे पुराने घी और तेल के डिब्बों से रचनात्मक ढंग से निर्मित किया गया। आयोजन स्थल पर भजनों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और दीपदान के माध्यम से प्रेम, भाईचारे और सकारात्मकता का संदेश प्रसारित हुआ। फरीदाबाद वासियों ने इस पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए इसे न केवल दीपावली का उत्सव, बल्कि अमृतकाल की भावना और नए भारत की आशा का प्रतीक बताया।

श्री गोयल ने कहा कि यह आशादीप हमारे उस अटूट संकल्प का प्रतीक है, जो प्रत्येक फरीदाबादी के हृदय में धड़कता है। फरीदाबाद को न केवल हरियाणा, बल्कि पूरे देश में उत्कृष्टता का पर्याय बनाना। दीपावली का अर्थ केवल घरों को रोशन करना नहीं, अपितु समाज और राष्ट्र में नई ऊर्जा, प्रेरणा और अवसरों का प्रकाश फैलाना है। जब हर कोई अपने घर को सजाने में व्यस्त है, हम सब मिलकर अपने शहर को आलोकित करने का महान कार्य कर रहे हैं। यही फरीदाबाद की पहचान है। यह शहर उत्सव भी मनाता है और विकास का दीप भी प्रज्वलित करता है। उन्होंने ने कहा कि यह आशादीप उन असंख्य हाथों की मेहनत का प्रतीक है, जो दिन-रात फरीदाबाद को सुंदर, सशक्त और आधुनिक बनाने में जुटे हैं। यह उन कर्मठ कामगारों, पेशेवरों, कर्मचारियों और नागरिकों का सम्मान है, जिन्होंने इस शहर को संवारने में अमूल्य योगदान दिया है। श्री गोयल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के विकसित हरियाणा तथा उत्कृष्ट फरीदाबाद के लक्ष्य को दोहराते हुए कहा कि यह आशादीप इन संकल्पों की दिशा में एक और सशक्त कदम है।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का खुदरा व्यापार क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुका है : हरीश गर्ग

5.40 लाख करोड़ के वस्तु व्यापार और 65 हज़ार करोड़ की सेवा क्षेत्र की रिकॉर्डतोड़ दिवाली बिक्री ने भारत की आर्थिक शक्ति और स्वदेशी भावना को प्रदर्शित किया : कैट

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने अपनी रिसर्च शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण के आधार पर चण्डीगढ़ समेत देशभर के 60 प्रमुख वितरण केंद्रों, जिनमें सभी राज्यों की राजधानियाँ एवं टियर-2 और टियर-3 शहर शामिल हैं, पर आधारित विस्तृत दिवाली त्यौहार बिक्री 2025 पर रिसर्च रिपोर्ट जारी की है जिसके अनुसार, इस वर्ष दिवाली पर देशभर में कुल बिक्री 6.05 लाख करोड़ तक पहुँची, जिसमें 5.40 लाख करोड़ का वस्तु व्यापार और 65 हज़ार करोड़ का सेवा व्यापार शामिल है, जो अब तक का देश के व्यापार इतिहास का सबसे बड़ा त्योहारी कारोबार है।

कैट, चंडीगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष हरीश गर्ग ने बताया कि रिपोर्ट यह दर्शाती है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जीएसटी दरों में राहत और स्वदेशी अपनाने के मजबूत ब्रांड एंबेसडर के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों को अभूतपूर्व रूप से प्रेरित किया है।

गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का वोकल फॉर लोकल और स्वदेशी दिवाली का आह्वान जनता के बीच गहराई से पहुंचा। 87% उपभोक्ताओं ने भारतीय वस्तुओं को विदेशी वस्तुओं के मुकाबले प्राथमिकता दी, जिससे चीनी उत्पादों की मांग में तेज गिरावट दर्ज की गई। व्यापारियों ने बताया कि भारतीय निर्मित वस्तुओं की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में 25% बढ़ी है।

उन्होंने बताया कि दिवाली 2025 के आंकड़े पिछले वर्ष (4.25 लाख करोड़) की तुलना में 25% की वृद्धि दर्शाते हैं। मुख्य रूप से गैर-कारपोरेट एवं पारंपरिक बाजारों ने कुल व्यापार में 85% योगदान दिया, जो भारतीय खुदरा बाजारों और छोटे व्यापारियों की शानदार वापसी को रेखांकित करता है।

कैट के महासचिव भीम सेन, उपाध्यक्ष प्रेम कौशिक, हरिशंकर मिश्रा, पवन गर्ग ने बताया कि प्रमुख त्योहारी वस्तुओं के क्षेत्रवार बिक्री प्रतिशत भी उत्साहजनक रहा जिसमें किराना एवं एफएमसीजी 12%, सोना–चाँदी 10%, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिकल्स 8%, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 7%, रेडीमेड परिधान 7%, गिफ्ट आइटम 7%, होम डेकोर 5%, फर्निशिंग एवं फर्नीचर 5%, मिठाई एवं नमकीन 5%, वस्त्र 4%, पूजन सामग्री 3%, फल एवं मेवे 3%, बेकरी एवं कन्फेक्शनरी 3%, फुटवियर 2%, तथा अन्य विविध वस्तुएँ 19% शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा क्षेत्र में भी भारी वृद्धि दर्ज हुई और इसमें 65,000 करोड़ का व्यापार हुआ। पैकेजिंग, हॉस्पिटैलिटी, टैक्सी सेवाएँ, ट्रैवल, इवेंट मैनेजमेंट, टेंट एवं सजावट, मैनपावर और डिलीवरी जैसे क्षेत्रों में भी अभूतपूर्व गतिविधि रही, जिससे त्योहारी अर्थव्यवस्था के दायरे का विस्तार हुआ।

कैट के चंडीगढ़ सचिव नरेश गर्ग, कोषाध्यक्ष रमेश सिंगला, संगठन सचिव अजय सिंगला, ने कहा कि जीएसटी दरों का तर्कसंगत पुनर्निर्धारण उपभोक्ता मांग को बढ़ावा देने में बेहद प्रभावी सिद्ध हुआ है। सर्वे में शामिल 72% व्यापारियों ने माना कि उनके अधिक बिक्री का सीधा कारण जीएसटी दरों में कटौती रही है। उपभोक्ताओं ने भी मूल्य स्थिरता से संतुष्टि व्यक्त की, जिससे त्योहारी खर्च में निरंतरता बनी रही।

हरीश गर्ग ने कहा कि व्यापारी और उपभोक्ता भावना पिछले एक दशक के उच्चतम स्तर पर हैं। ट्रेडर कॉन्फिडेंस इंडेक्स (टीसीआई) 8.6/10 तथा कंज्यूमर कॉन्फिडेंस इंडेक्स (सीसीआई) 8.4/10 के स्तर पर है। उनका मानना है कि उपभोग में यह वृद्धि दीर्घकालिक रूप से स्थायी है, जो नियंत्रित मुद्रास्फीति, बढ़ती आय, और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास से प्रेरित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह उत्साहपूर्ण स्थिति सर्दियों, विवाह सीजन और जनवरी के मध्य से शुरू होने वाले अगले त्योहारी दौर तक जारी रहेगी।

रोजगार एवं आर्थिक प्रभाव बारे गर्ग ने बताया कि गैर-कारपोरेट एवं गैर-कृषि क्षेत्र, जिसमें 9 करोड़ छोटे व्यापारी और लाखों विनिर्माण इकाइयाँ शामिल हैं, आज भी भारत की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख इंजन हैं। दिवाली 2025 के व्यापार से 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए हैं। ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों ने कुल व्यापार में 28% योगदान दिया, जो महानगरों से परे आर्थिक सशक्तिकरण का प्रमाण है।

हरीश गर्ग ने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर सरकार को कई सुझाव दिए गए हैं जिसमें छोटे व्यापारियों एवं निर्माताओं के लिए जीएसटी प्रक्रियाओं को सरल किया जाए और क्रेडिट तक पहुंच आसान की जाए वहीं टियर 2 एवं टियर 3 शहरों में लॉजिस्टिक्स एवं वेयर हाउसिंग हब विकसित किए जाएँ। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देकर बाजारों का डिजिटलीकरण किया जाए और इसके लिए बैंक कमीशन को समाप्त किया जाए। शहरी बाजारों में यातायात, पार्किंग और अतिक्रमण प्रबंधन को सुदृढ़ किया जाए। स्वदेशी अभियान को सरकार और व्यापार जगत के संयुक्त प्रयास से निरंतर प्रोत्साहित किया जाए।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष की दिवाली ऐतिहासिक रही जो समृद्धि, राष्ट्रवाद और आर्थिक आत्मविश्वास का पर्व बन गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत का खुदरा व्यापार क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुका है, जो परंपरा, तकनीक और विश्वास का संगम प्रस्तुत करता है।